RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 117 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 9 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

गहनों के साथ राशन तक ले गए चोर: पास के कमरे में ही सो रहा था परिवार, कुछ दिन बाद बेटे की होने वाली थी शादी

कोरबा। कोरबा में चोरों ने बुधवार देर रात एक मकान का ताला तोड़कर चोरी कर ली। वारदात के दौरान परिवार के सभी लोग बगल के कमरे में ही सो रहे थे। चोर करीब तीन लाख रुपये के गहनों के साथ ही राशन का सामान भी ले गए। चोरी का पता परिवार के लोगों को अगले दिन चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे हुए हैं। परिजनों को शक है कि गांव के ही किसी व्यक्ति ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। मामला रजगामार चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम करूमहुआ निवासी अमृत लाल धीरहे के बेटे की कुछ दिनों बाद शादी होने वाली है। परिवार को लोग उसकी तैयारी में लगे हुए हैं। बुधवार को सभी लोग खाना खाकर सो गए। अगले दिन गुरुवार सुबह नींद खुली तो देखा कि बगल का कमरा खुला हुआ है और सारा सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने चेक किया तो कमरे में रखे सोने के गहने करीब ढाई तोला, 55 हजार रुपये गायब थे। पुलिस पहुंची तो जांच के दौरान घर से कुछ दूरी पर ही एक बक्सा मिल गया। चोर उसे भी अपने साथ ले गए थे।

ग्रामीण अमृतलाल धीरहे ने बताया कि जिस कमरे में चोरी हुई है, वहां पहले दुकान थी। बेटे की शादी के चलते दुकान में बाहर से ताला लगाकर सारा सामान वहीं रख दिया था। इसमें सोने-चांदी के गहने, रुपये और अन्य सामान था। अमृतलाल ने बताया कि उसे आशंका है कि गांव के ही किसी व्यक्ति ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इसका कारण यह है कि गहनों और रुपयों के साथ वहां रखा राशन का सामान भी चोरी किया गया है। फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ जांच कर रही है।

टिकट दलालों पर रेलवे की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

पर्सनल आईडी से कर रहे थे लाखों का करोबार, धरे गए 30 दलाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में टिकट दलालों पर रेलवे ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तहत बिलासपुर मंडल, रायपुर मंडल व नागपुर मंडल के तहत कार्रवाई कर 30 दलालों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ के दुर्ग-भिलाई, रायपुर, बिलासपुर, अम्बिकापुर, चांपा, रायगढ़ व मनेन्द्रगढ़, महाराष्ट्र के नागभीर, गोंदिया, भंडारा रोड, नागपुर, मध्यप्रदेश के बालाघाट, अनुपपुर, छिंदवाड़ा तथा उड़ीसा के ब्रजराजनगर में यह कार्रवाई की गई। पकड़े गए टिकट दलालों से पुराने व भविष्य की यात्रा के 720 टिकट जब्त किए गए जिनकी कुल कीमत 9 लाख 3 हजार 457 रुपए बताई गई है।

बिलासपुर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में मुख्य सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर तीनों मंडलों में एक साथ अवैध टिकट दलालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। टिकट दलाल व्यक्तिगत आईडी बनाकर उसका दुरुउपयोग करते हुए आईआरसीटीसी के पोर्टल पर टिकट बनाकर अतिरिक्त लाभ लेकर तत्काल प्रिमियम एवं अन्य रिर्जवेशन टिकट बेच रहे थे। यह कृत्य रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत दंडनीय अपराध है।

पर्सनल आईडी से इस प्रकार टिकट बेचने वालों पर दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे में अलग-अलग शहरों में एक साथ छापेमारी की कार्यवाई की गई। कार्रवाई के बिलासपुर में 11 केस, रायपुर 8 व नागपुर-11 केस पकड़ाए। इन दलालों के पास से भविष्य के यात्रा टिकिट 37 व पुराने यात्रा टिकिट 683 कुल कुल 720 टिकिट जब्त किया गया। भविष्य के यात्रा टिकिटों का मूल्य 61 हजार 651 रुपए व पुराने यात्रा टिकिटों का मूल्य 8 लाख 41 हजार 406 रुपए है। इस प्रकार कुल कीमत 9 लाख 3 हजार 457 रुपए है।

रायपुर मंडल में पकड़ा पांच लाख से ज्यादा के टिकट

इस पूरी कार्रवाई में रायपुर मंडल के अंतर्गत रायपुर व भिलाई दुर्ग में पांच लाख से ज्यादा के टिकट पकड़ाए। रेलवे सुरक्षा बल रायपुर मंडल के सभी पोस्टों के द्वारा रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत अवैध रूप रेल आरक्षित टिकटों की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इस दौरान दुर्ग भिलाई तथा रायपुर क्षेत्र में 8 अवैध टिकट दलाल कुल 19 पर्सनल यूजर आईडी से टिकट बनाकर बेचते पकड़ाए। इनके पास से कुल 348 रेलवे आरक्षित टिकट जब्त किया गया। इसकी कुल कीमत 5 लाख 85 हजार 260 रुपए बताई गई है।

पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह के नाम पर फेक आईडी, मैसेंजर के जरिए रुपए मांग रहा है बदमाश

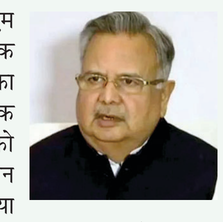

भिलाई। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह के नाम पर फेक आईडी बनाकर रुपए की मांग का मामला सामने आया है। फेक आईडी बनाने वाले ने खुद को छत्तीसगढ़ का पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह बताते हुए मैसेज पोस्ट किया जिसमें 50 हजार रुपए की मांग की गई थी और बाद में जितना चाहोगे उतना वापस भी करने का दावा किया गया। इस फेक मैसेज का स्वयं डॉ रमन सिंह ने खंडन किया और अपने ऑफिशियल फेसबुक पेज के जरिए लोगों को ऐसे ठगों से बचने की सलाह दी है।

मिली जानकारी के अनुसार डॉ रमन सिंह की फेक आईडी बनाकर मैसेंजर के जरिए रुपए की डिमांड की गई है। अज्ञात शख्स ने डॉ रमन सिंह के नाम पर 50 हजार रुपये की मांग करते हुए कहा कि एक दिन बाद वे उसे जितना पैसा चाहे वो भेज देंगे। साथ में चैटिंग कर रहे शख्स ने इसका जवाब भी दिया और लिखा कि वह डॉ रमन सिंह हो ही नहीं सकता क्योंकि डॉ रमन सिंह किसी से पैसे नहीं मांगते। इस जवाब पर सामने वाले का भी जवाब आया।

पूर्व सीएम ने कहा रहे सावधान

इधर इसकी जानकारी मिलने के बाद पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह ने लोगों को सावधान रहने कहा है। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लिखा कि फेसबुक पर मेरे नाम से एक फेक प्रोफाइल बनाकर प्रदेशवासियों को आर्थिक लेन-देन के लिए संदेश भेजे जा रहे हैं। मैं आप सभी से निवेदन करता हूं कि ऐसे किसी भी संदेश के छलावे में न आएं और ऑनलाइन ठगी से बचें।

18 और 19 को स्क्रीन से निकलकर मैदान पर दम दिखाएंगे कलाकार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सीसीएल के डायरेक्टर ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में सेलेब्रिटी क्रिकेट लीग के फाउंडर और डायरेक्टर श्रीनिवासन ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को 18 और 19 फरवरी को रायपुर में आयोजित सेलेब्रिटी क्रिकेट लीग में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने इसके लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

श्रीनिवासन के साथ आए आनंद बिहारी यादव ने बताया कि सीसीएल में लगभग 150 फिल्मी कलाकार भाग लेंगें। इनके बीच बनी टीम के मध्य ही मुकाबला होगा। उन्होंने बताया कि इस लीग में सोनू सूद, मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव, रितेश देशमुख, बॉबी देओल, सोहैल खान, वेंकटेश और किच्चा सुदीप सहित अन्य फिल्म कलाकार भाग लेंगे।

तस्वीर बहुत कुछ कहती है...

फोटो जर्नलिस्ट-गौकरण निषाद

जीवन की जीवन्तता

भिलाई। कहते है कि हर इंसान को रहने के लिये घर और खाने के लिये दो वक्त की रोटी की जरूरत होती है। लेकिन जिनका घर ही खुला आसमान है वे न तो मौसम की मार को देखते है और न ही वक्त और हालात। बस अपनी और परिवार के पेट की भूख मिटाने के लिये असहनीय ठंड, गर्मी और बरसात को भी सहन करते है। कुछ ऐसा ही नजारा टाउनशिप के सेक्टर-2 जेपी चौक में देखने को मिला। जब घने कोहरे के बीच अपने बच्चों के लिए चाय तैयार करती एक मां। वहीं सर्दी से बचने के लिये अलाव तापते हुए छोटे छोटे बच्चे।

कोर्ट की निगरानी में हो हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जांच, शीर्ष अदालत में सुनवाई कल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट की जांच को लेकर दायर याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई के लिए राजी हो गया है। याचिका में रिपोर्ट की जांच शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में कराए जाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोर्ट इसके लिए केंद्र सरकार को एक समिति गठित करने का निर्देश दे।

याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता विशाल तिवारी ने गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का उल्लेख किया। उन्होंने पीठ को बताया कि इस मुद्दे पर दायर एक अलग याचिका को 10 फरवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाना है। उन्होंने पीठ से आग्रह किया कि अलग याचिका के साथ उनकी याचिका पर भी शुक्रवार को सुनवाई की जाए। पीठ में न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और जे बी पारदीवाला भी शामिल हैं।

इससे पहले पिछले हफ्ते वकील एमएल शर्मा ने शीर्ष अदालत में एक और जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें अमेरिका स्थित फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के शॉर्ट सेलर नाथन एंडरसन और भारत और अमेरिका में उनके सहयोगियों के खिलाफकथित रूप से निर्दोष निवेशकों का शोषण करने और बाजार में अदाणी समूह के शेयर के मूल्य के आर्टिफिशियल क्रैशिंग के लिए मुकदमा चलाने की मांग की गई थी।

छत्तीसगढ़ लगातार हासिल कर रहा है उपलब्धियां, देश के आकांक्षी जिलों में नारायणपुर का बेहतर परफॉर्मेंस

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य व पोषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के नीति आयोग की ओर से आकांक्षी जिलों को लेकर रिपोर्ट जारी की जाती है। इसी कड़ी में दिसम्बर 2022 के लिए जारी की गयी चौम्पियन ऑफ चेंज डेल्टा रैंकिंग में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले का परफॉर्मेंस बेहतर रहा है। देश में घोषित 112 आकांक्षी जिलों में से ओवरऑल परफॉर्मेंस श्रेणी में शीर्ष पांच जिलों में छत्तीसगढ़ के आकांक्षी जिलों में शामिल नारायणपुर जिला चौथे स्थान पर है। वहीं स्वास्थ्य और पोषण श्रेणी में नारायणपुर जिले का स्थान तीसरा है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बीते चार साल के भीतर स्वास्थ्य और पोषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। छत्तीसगढ़ में हुए इन प्रयासों को भारत सरकार ने भी कई बार सराहा है। मुख्यमंत्री बघेल ने बच्चों में कुपोषण दूर करने और किशोरी बालिकाओं व महिलाओं को एनिमिया से मुक्त करने के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान चलाया है। छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से पोषण के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम भी सामने आये हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक, दाई-दीदी क्लिनिक, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, हमर लैब, मलेरिया मुक्त बस्तर और मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ योजना का संचालन करने के साथ ही छत्तीसगढ़ में लोगों को डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना, मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य संबंधी लाभ पहुंचाये जा रहे हैं।

बात प्यार की हो तो वसुधैव कुटुम्बकम

श्रीकंचनपथ

दुनिया प्रेम से चलती है। नफरत फैलाने वाले इसमें बाधा डालते हैं। बाधाओं को पार करने का अपना रोमांच है। इससे जीवन में नए रंग घुलते हैं। बाधा-विपत्तियों को पार करते समय ही लोग एक दूसरे के ज्यादा करीब आते हैं, उनमें बेहतर आपसी समझ और तालमेल का विकास होता है। वैसे भी भारतीय दर्शन कहता है कि यदि चित्त उदार हो तो धरती पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी एक ही परिवार का सदस्य लगता है-'उदार चरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम'। इसी अवधारणा को लेकर स्वामी विवेकानन्द अमेरिका की धर्मसंसद में पहुंचे थे और कह पाए थे 'मेरी अमेरिकी भाइयों और बहनों।' इसकी एक झलक छत्तीसगढ़ में फिर एक बार देखी गई। स्वीडन की अमांडा और रायपुर के अपराजित शर्मा विवाह बंधन में बंध गए। विवाह के लिए दोनों ने हिन्दू रीति रिवाजों को चुना। हरिद्रालेपन, चुलमाटी, तेलमाटी, पाणिग्रहण जैसे सभी संस्कार हुए। सात वचन के साथ सात फेरे भी लिये गये। इससे पहले पिछले ही महीने फिलीपीन्स की जेझल ने राजनांदगांव के भावेश गायकवाड़ के साथ दाम्पत्य जीवन में प्रवेश किया। यह विवाह भी भारतीय रीति रिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ। इससे पहले चक दे इंडिया की को स्टार चित्रांशी ने छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार ध्रुवादित्य से विवाह कर लिया। ये सभी विवाह समारोह भारतीय परम्परा के अनुसार हुए। न किसी फूफा ने मुंह फुलाया और न ही समाज के ठेकेदार कहीं नजर आए। यह उन लोगों के मुंह पर एक करारा तमाचा था जो लोग श्रीकृष्ण को तो पूजते हैं पर प्रेम को अपराध मानते हैं। समाज के कथित ठेकेदार इस अपराध की भयानक सजा देते हैं। लड़कियों को घर में कैद कर दिया जाता है। लड़कों को जान से मार दिया जाता है। कुछ लोग इससे भी चार कदम आगे चलते हैं। वो प्रेमी युगल को पकड़ते हैं, लड़की का सामूहिक बलात्कार करवाते हैं। फिर दोनों की जमकर पिटाई की जाती है और मार कर पेड़ों पर टांग दिया जाता है। ये वही राज्य हैं जहां मातारानी को पूजने वालों की संख्या सबसे ज्यादा है। ये वही राज्य हैं जहां दुल्हन दूसरे राज्यों से उठवाकर या खरीद कर लाई जाती है। ये वही राज्य हैं जहां सर्वाधिक बेटियां कोख में मार दी जाती हैं। सवाल फिर से वही उठता है कि हम चाहे कितना पूजा पाठ कर लें, चाहे कितने हवन-प्रवचन कर लें, पर हम पौराणिक घटनाओं से सीखते क्या हैं? भक्ति मार्ग प्रेम की गलियों से होकर निकलता है। जहां प्रेम नहीं, वहां भक्ति नहीं। जहां भक्ति नहीं वहां ईश्वर नहीं। जो लोग इंसानों को अछूत मानते हैं वो गाय को भी दिल से मां नहीं मान सकते? किसी के योगदान की सराहना करने के लिए दिल बड़ा चाहिए। चित्त उदार चाहिए। भारतीय संस्कृति उदारता का पोषण करती है। इसलिए हम चीटिंयों, पर्वतों, नदियों, वृक्षों तक की पूजा करते हैं। सृष्टि में इनकी भूमिका को स्वीकार करते हैं। क्षुद्र, संकीर्ण मानसिकता वाले इसे क्या समझेंगे?

संपादकीय

संसद से संदेश

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चल रही जो बहस राहुल गांधी के भाषण की वजह से चर्चा में आ गई थी, उसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण से पटाक्षेप करने की पुरजोर कोशिश की है। वर्षों बाद संसद में ऐसी रोचक स्थिति बनी, जब लोगों ने कान लगाकर सुना है और याद भी रखेंगे। विपक्ष का हमला अगर तीखा था, तो सत्ता पक्ष का जवाबी प्रहार भी कुछ कम न था। बहरहाल, अडानी संबंधी मामले पर ज्यादातर दूसरे सत्ताधारी नेताओं ने ही सदन और सदन के बाहर जवाब दे दिया था, इसलिए प्रधानमंत्री ने उस पर जाए बिना विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथ लेने की रणनीति को तरजीह दी। राजनीति में अपने-अपने नजरिये से अपनी-अपनी व्याख्याएं होती हैं और राजनीति कभी भी किसी विवाद पर खत्म नहीं होती। जैसे विगत दो दिनों में संसद में, देश में हुआ। शायद ही कोई ऐसा बड़ा घोटाला या कांड होगा, जिसे इस बीच याद न किया गया हो। साफ हो गया कि जिन मामलों में अदालती फैसले आ गए, उनको भी राजनीति लिए चलती रहेगी। यह समग्र राजनीति के लिए सबक है कि सावधान, आपकी एक गलती या एक कांड आगे दशकों तक याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री का जहां तक संबंध है, विपक्ष के आरोपों को उन्होंने बहुत गंभीरता से लिया है, उनकी तल्खी को उनकी चुटकियों और उक्तियों में समझा जा सकता है। अपशब्दों और आरोपों से वह आहत थे और उन्होंने यह भी छिपाया नहीं। उन्होंने अपनी ओर से भी सुनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। विपक्ष अडानी-अडानी के शोर के साथ विरोध में जुटा रहा। दरअसल, हर पार्टी या पक्ष के अपने पसंदीदा दांव या अखाड़े होते हैं। भाजपा का भी अपना अखाड़ा है, जिसे प्रधानमंत्री ने बखूबी नहीं छोड़ा। प्रधानमंत्री ने विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि 'ये लोग तो अपने और अपने लोगों के लिए जी रहे हैं, लेकिन मोदी देश के 25 करोड़ परिवारों का सदस्य है। मेरे लिए 25 करोड़ परिवार ही सुरक्षा कवच हैं, जिसे आप इन शस्त्रों से कभी भेद नहीं सकते।' यह एक तरह से विपक्ष की ओर इशारा भी है कि हमले की उसकी तैयारी मुकम्मल नहीं है। प्रधानमंत्री के जवाब ने बता दिया कि मजबूत सत्ता पक्ष के सामने बिखरे हुए विपक्ष की मंजिल अभी दूर है। यह सुखद है कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपने भाषण के दौरान शायर जिगर मुरादाबादी से कवि दुष्यंत कुमार और काका हाथरसी तक की पंक्तियों को याद किया। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी तो विपक्ष के लिए बड़े काम की है कि 'जो लोग अहंकार के नशे में चूर हैं और सोचते हैं कि केवल उनके पास ज्ञान है, उन्हें लगता है कि मोदी को गाली देने से ही रास्ता निकलेगा, कि मोदी पर झूठे, बेतुके कीचड़ उछालने से ही रास्ता निकलेगा, तो 22 साल हो गए, उन्हें अभी भी गलतफहमी है'। क्या ऐसी दलीलों के सामने विपक्ष हथियार डाल देगा? विपक्ष ने इतना तो किया ही है कि अडानी मामले में देश को सावधान कर दिया है। साथ ही, सबको विस्तार से शिकायतों का भी पता चल गया होगा। सजग लोग चुपचाप भी बड़े सुधार करते हैं, क्योंकि उन्हें पता होता है, कभी बुरा वक्त भी आता है। जिन उद्यमों और संस्थाओं पर सवालिया निशान लगे हैं, अब उनकी जिम्मेदारी सबसे ज्यादा है। विशाल आबादी वाले हमारे देश की तेज उभरती अर्थव्यवस्था में अनैतिक चालाकियों के लिए कोई जगह न रहे। कोई भविष्य में यह न कहे कि लम्हों ने खता की थी, सदियों ने सजा पाई।

> मेरे लिए 25 करोड़ परिवार ही सुरक्षा कवच हैं, जिसे आप इन शस्त्रों से कभी भेद नहीं सकते।' यह एक तरह से विपक्ष की ओर इशारा भी है कि हमले की उसकी तैयारी मुकम्मल नहीं है।

ईश्वर हमसे क्या चाहेंगे

कथित सभ्य लोगों की तुलना में कुछ आदिवासी संस्कृतियों में यह रिश्ता ज्यादा सरल, सहज और मानवीय है। वे अपने देवताओं से प्यार भी करते हैं और उनसे लड़-झगड़ भी लेते हैं। दुनिया के लगभग सभी धर्म मानते हैं, सृष्टि से इतर कोई परमसत्ता है, जिसने हमारी और इस विराट ब्रह्मांड की रचना की और वही इसका संचालन करता है। मतभेद यह रहा कि ईश्वर के साथ हमारे रिश्ते कैसे होने चाहिए? ईसाई धर्म में ईश्वर से हमारा रिश्ता पिता और पुत्र का है, लेकिन यह रिश्ता सीधा नहीं। इस रिश्ते का स्वरूप ईश्वर के पुत्र कहे जाने वाले जीसस के जरिये तय होता है। इस्लाम में सूफियों व हिंदुओं में प्रेममार्गी पंथ के अनुयायियों की थोड़ी-सी संख्या है, जिनके लिए ईश्वर और हमारा रिश्ता प्रेमी-प्रेमिका, पति-पत्नी, भरोसे और अभय का है। मगर इनके अलावा सभी धर्मों में ईश्वर के साथ हमने जो संबंध बनाए हैं, वे स्वस्थ नहीं कहे जा सकते। जैसे, स्वामी और दास का। दाता और भिखारी का। न्यायाधीश और अपराधी का। वह मालिक है और हम उसकी कृपा प्राप्त करने के लिए स्वयं को अकिंचन प्राणी घोषित करने में भी नहीं हिचकिचाते!

यदि हम सब ईश्वर के अंश या उसकी कृति हैं, तो उसके साथ हमारे रिश्ते इतने लिजलिजे और दयनीय क्यों होने चाहिए? हम उससे प्यार क्यों नहीं कर सकते? क्यों वह सब कुछ है और हम कुछ भी नहीं? हमने कभी यह क्यों नहीं सोचा कि परमपिता परमेश्वर तो क्या, संसार का कोई भी पिता अपनी संतान को इस कदर बेचारा, कातर, रीढ़हीन, दयनीय, भयातुर, पराजित, अंधभक्त और याचक की तरह चरणों में झुका हुआ नहीं देखना चाहता। क्या हम खुद पसंद करेंगे कि हमारी अपनी संतान अपने स्वतंत्र व्यक्तित्व व आत्मविश्वास की हत्या कर हमें पूजती रहे? हर पिता की ख्वाहिश होती है कि उसकी संतान विनम्र, लेकिन आत्मविश्वास से लबरेज एक स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में विकसित हो। ऐसा व्यक्तित्व, जो जरूरत पड़ने पर उसकी आंख से आंख मिलाकर बात भी कर सके। एक रचयिता के रूप में ईश्वर की हमसे अपेक्षाएं भी संभवत ऐसी ही होंगी। हम ईश्वर के अंश हैं, तो उसके जैसा हमारा एक स्वतंत्र व्यक्तित्व भी होना चाहिए। आभार, कृतज्ञता, श्रद्धा और संकट में एक कंधे की तलाश तक तो ठीक है, मगर उस पर हमारी बहुत ज्यादा निर्भरता कहीं हमें नाकारा तो नहीं बना रही? हमारे कातर और दयनीय आत्मसमर्पण से संभवत ईश्वर भी शर्मिंदा होता होगा। तथाकथित सभ्य लोगों की तुलना में कुछ आदिवासी संस्कृतियों में यह रिश्ता ज्यादा सरल, सहज व मानवीय है। वे अपने देवताओं से प्यार भी करते हैं, उनसे प्रार्थना भी करते हैं, और उनसे लड़-झगड़ भी लेते हैं। हमें भी ईश्वर के साथ अपने रिश्ते को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। वह दुनियावी हो या अलौकिक, सहज, स्वाभाविक और स्वस्थ रिश्ते का कोई रास्ता जड़ता, दासता और अकिंचनता से होकर नहीं गुजरता!

ध्रुव गुप्त

पंडित नेहरू की अपील

आज प्रात गुरुद्वारा बंगला साहिब में गांधी जी की हत्या पर एक विशेष सिख दीवान में शोक मनाया गया। इसमें भाषण देते हुए पं. जवाहरलाल नेहरू ने लोगों से अपील की कि वे गांधी जी के पदचिन्हों पर चलें और देश के सामने इस समय जो समस्यायें हैं, उनके प्रति रचनात्मक रुख ग्रहण करें। दीवान में उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का भाषण भी हुआ। सरदार बलदेव सिंह अध्यक्ष थे।

नेहरू जी ने कहा- मनुष्य के सब कार्य दो भागों में विभक्त किये जा सकते हैं, एक रचनात्मक और दूसरा विनाशक। बहुत बड़ी संख्या में लोगों की शक्तियां चीजों को नष्ट करने में लगी हैं। महात्मा गांधी उन लोगों में से थे, जो निर्माण करते हैं। वे अपने जीवन में बुराई और असत्य से लड़ते रहे। वे यद्यपि लड़ाकू थे, किन्तु निर्माणकारी सैनिक थे। उनका उद्देश्य शत्रु को नष्ट करना नहीं था, बल्कि परिवर्तन लाना और उसे अपने पक्ष में करना था। गांधी जी के प्रति लोगों के प्रेम का सबसे अच्छा प्रमाण और उनकी महानता का सर्वोत्तम स्मारक यह है कि हम अपने भीतर उनकी भावना को उत्पन्न करें और एक दूसरे के प्रति मैत्री और मेल जोल रखें।

> बाल विवाह कराने वाले पुजारी से लेकर काजी तक के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, इन मामलों में आठ हजार से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी होनी है, क्या इससे असम में बाल विवाह हमेशा के लिए रुक जाएगा? क्या इससे देश के दूसरे प्रदेश प्रेरणा लेंगे?

अचानक बाल विवाह पर आक्रामक

प्रभाकर मणि तिवारी

देश की आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बावजूद कई राज्यों में बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई/कुरीति पर अब तक अंकुश नहीं लगाया जा सका है। अब असम सरकार बाल विवाह के खिलाफ इतनी कड़ाई बरतने लगी है कि शिकायत की गूंज पूरे देश तक पहुंच रही है। पहली नजर में, संबंधित राज्य सरकार की इच्छाशक्ति और सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर चलाए जाने वाले जागरूकता अभियानों का अभाव और वोट बैंक की राजनीति को ही इसकी प्रमुख वजह माना जा सकता है। सामाजिक नजरिये से असम सरकार के अभियान की सराहना तो हो रही है, मगर उन पर एक खास तबके को निशाना बनाने के आरोप भी लग रहे हैं। हालांकि, सरकार ने इस आरोप से इनकार किया है।

हमारे देश में बाल विवाह की कुरीति बहुत पुरानी है। इस सामाजिक बुराई की जड़ें सामाजिक व्यवस्था में छिपी हैं। पहले बच्चों की तादाद ज्यादा और आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण यह परंपरा समाज के लगभग सभी तबकों में प्रचलित थी। बीतते समय के साथ इसमें कुछ बदलाव जरूर आया है, लेकिन अब भी कई राज्यों में यह जस की तस कायम है। 'नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे' की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के कई राज्यों में शादी की कानूनी उम्र का पालन नहीं किया जा रहा है।

आंकड़ों के लिहाज से देखें, तो पश्चिम बंगाल में 42 फीसदी, बिहार में 40 फीसदी, त्रिपुरा में 39 फीसदी, झारखंड में 35 फीसदी, आंध्र प्रदेश में 33 फीसदी, असम में 32 फीसदी, तेलंगाना में 27 फीसदी, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 25-25 फीसदी लड़कियों की शादियां कानूनी उम्र से पहले की जा रही हैं। लड़कों के मामले में भी तस्वीर ज्यादा अलग नहीं है। बिहार में 25, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 24-24 फीसदी, झारखंड में 22 फीसदी और पश्चिम बंगाल में 20 फीसदी लड़कों की शादी 21 वर्ष से पहले हो जाती है। आजादी के 75 वर्ष बाद यह तस्वीर भयावह है।

भारत में बाल विवाह की राष्ट्रीय औसत दर करीब 23.3 फीसदी है। चिंता की बात यह है कि भारत के आठ राज्यों में बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत दर से ज्यादा है। इनमें से तीन राज्यों की तस्वीर तो और भी भयावह है। दरअसल, बंगाल, बिहार और त्रिपुरा में लगभग 40 फीसदी और झारखंड में 32.2 फीसदी लड़कियों का विवाह उनके 18 वर्ष की उम्र से पहले ही हो जाता है। इसका नतीजा नवजात शिशुओं और माताओं की उच्च मृत्यु दर के तौर पर सामने आता है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी डेमोग्राफिक सैंपल सर्वे की ताजा रिपोर्ट पर भरोसा करें, तो पश्चिम बंगाल और झारखंड देश के दो ऐसे राज्य हैं, जहां आधी से ज्यादा लड़कियों की शादी 21 वर्ष की उम्र से पहले कर दी जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर 29.5 फीसदी लड़कियों की शादी 21 वर्ष की उम्र से पहले हो जाती है। पश्चिम बंगाल में जहां यह आंकड़ा 54.9 फीसदी है। वहीं, झारखंड के मामले में यह 54.6 फीसदी है। यह सर्वेक्षण वर्ष 2020 में किया गया था और इसकी रिपोर्ट बीते वर्ष के आखिर में सामने आई थी।

असम के पड़ोसी पश्चिम बंगाल के लोगों को राजनीतिक और सामाजिक रूप से बेहद जागरूक माना जाता है। कहावत काफी मशहूर है कि बंगाल जो आज सोचता है, वह बाकी देश कल सोचता है, लेकिन ऐसी कहावत वाले बंगाल में भी बाल विवाह धड़ल्ले से होते हैं। हालांकि, ममता बनर्जी सरकार की ओर से इस पर अंकुश लगाने के लिए शुरू की गई कन्याश्री जैसी योजनाओं से खासकर झारखंड से सटे पुरुलिया जिले में इसमें कुछ गिरावट जरूर आई है, लेकिन इसे जड़ से खत्म करना अभी संभव नहीं हो सका है।

असम में बाल विवाह करने और कराने वालों के खिलाफ बिना किसी पूर्व चेतावनी सरकार की ओर से शुरू किए गए व्यापक अभियान और इसके तहत ढाई हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेने पर विवाद लगातार तेज हो रहा है। बाल विवाह कराने वाले पुजारी से लेकर काजी तक के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, इन मामलों में आठ हजार से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी होनी है, क्या इससे असम में बाल विवाह हमेशा के लिए रुक जाएगा? क्या इससे देश के दूसरे प्रदेश प्रेरणा लेंगे? असम में गिरफ्तारियों के विरोध में खासकर महिलाएं सड़क पर उतर आई हैं। उन्होंने पुलिस थाने और हाईवे का घेराव किया है। इस मुद्दे पर अब सियासत भी तेज हो गई है, पर असम सरकार ने इस अभियान को जारी रखने की बात कही है। इसके लिए विशेष जेल बनाई जा रही है।

विपक्षी नेताओं का आरोप है कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम कोई नया नहीं है, लेकिन बावजूद इसके प्रशासन की नाक तले इतने बड़े पैमाने पर बाल विवाह कैसे होते रहे? कांग्रेस नेता और बरपेटा के सांसद अब्दुल खालेक कहते हैं कि हम बाल विवाह के खिलाफ हैं और इसे हर हाल में रोका ही जाना चाहिए, लेकिन वर्षों पहले शादी करने वाले किसी दंपतियों की गिरफ्तारी गले से नीचे नहीं उतरती। गिरफ्तारी के बाद उनके बच्चों की देखभाल कौन करेगा? असम प्रदेश तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष रिपुन बोरा कहते हैं कि किसी खास तबके को निशाना बनाने के लिए कानून को हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सवाल उठाते हुए कहा है कि सरकार लड़कों को जेल भेज देगी, तो लड़कियों का क्या होगा? अनेक नेता पुलिस की कार्रवाई को अल्पसंख्यक विरोधी बता रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए जरूरी है कि वह ऐसे आरोपों से बचे। ऐसा कतई संदेश न जाने दे कि वह समाज के खास वर्ग को निशाना बना रही है।

समाजशास्त्रियों का कहना है कि बाल विवाह जैसी गंभीर सामाजिक बुराई के खिलाफ बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान और कार्रवाई, दोनों जरूरी हैं, लेकिन किसी के साथ अन्याय न हो, यह भी सुनिश्चित हो। बाल विवाह विरोधी अभियान देश के तमाम पिछड़े राज्यों में जरूरी हैं, लेकिन तौर-तरीके ऐसे हों कि कोई उंगली न उठाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्कूली शिक्षा के लिए अब भी अहम है गांधी की सीख

अनुराग बेहर

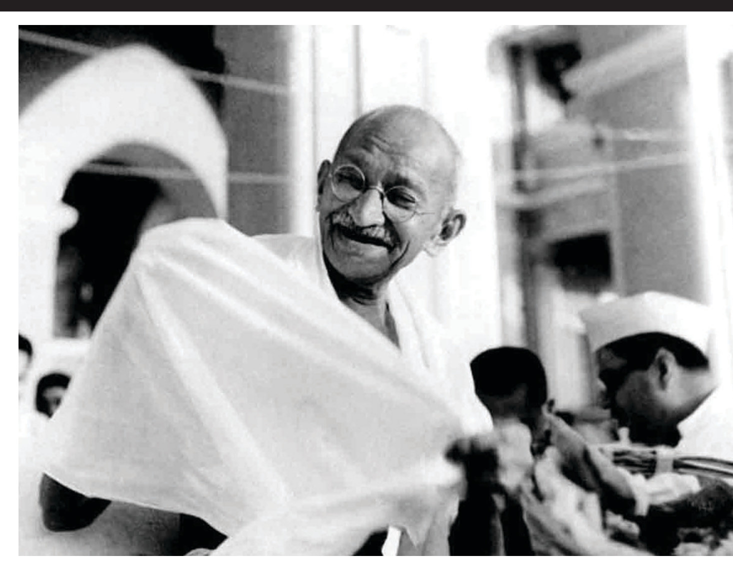

नीला आसमान और ताजगी भरी हवा काफी आनंददायक लग रही थी, मगर स्कूल के बाहर खुले नाले से बहती गंदगी ध्यान भटकाने के लिए काफी थी। यह उत्तर भारत के एक छोटे से शहर में सर्दियों का एक और दिन था। सभी कमरे ठंडे हो चले थे, जैसे वे जनवरी में होते हैं। कुछ चीजें मेरे बचपन से अब तक नहीं बदली हैं। 30 जनवरी को महात्मा गांधी को याद करने का तरीका भी कमोबेश वैसा ही है। उस दिन भी कक्षा छह से आठ तक के बच्चे खेल के मैदान में गुनगुनी धूप में इधर-उधर दौड़ रहे थे। दो मिनट के अनिवार्य मौन के बाद, महात्मा गांधी के जीवन से सीखी गई बातों पर भाषण देने के लिए छह बच्चों को सामने खड़ा किया गया। वे सभी भाषण देने में सबसे अधिक कुशल थे।

पहले भाषण का सार था- हमें सच बोलना चाहिए और कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए। अन्य पांच भाषण भी प्रासंगिक थे- हमें अहिंसक होना चाहिए, कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है, सफाई भक्ति के समान है, सभी भारतीय हमारे भाई-बहन हैं, चाहे वे किसी भी जाति, धर्म या क्षेत्र के हों, और हमें अपने देश से प्यार करना चाहिए और इसके लिए अपना जीवन समर्पित करना चाहिए। समारोह के बाद धूप की सहूलियत में ही नियमित कक्षाएं शुरू की गईं। मैं लगभग 30 छात्रों और एक शिक्षक के साथ कक्षा आठ के समूह में शामिल हो गया। छात्र मुझसे बातचीत करना चाह रहे थे। चूंकि समारोह में हमारा परिचय पहले ही हो चुका था, इसलिए शुरुआती पहचान की जरूरत नहीं पड़ी। वे जानना चाहते थे कि मैं उनके स्कूल में क्यों आया हूं? क्या बेंगलुरु के स्कूल भी उनके स्कूल जैसे हैं? और, क्या मैं किसी तरह से स्कूल की मदद करूंगा? फिर यह बातचीत महात्मा गांधी और समारोह में दिए गए भाषणों पर पहुंच गई। वे सब बातें, जो कही और सुनी गईं, क्या अपने जीवन में वे उन पर अमल करते हैं? इसके जवाब बिना किसी लाग-लपेट के दिए गए।

हम झूठ बोलते हैं। कभी-कभी कई बार। हम लड़ते हैं। हम खेलना चाहते हैं, मेहनत नहीं करना चाहते। नाला बताता है कि कितने सफाई पसंद हैं हम। कई घर बेशक साफ रहते हैं, लेकिन ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि वे अपना कचरा बाहर फेंक देते हैं। रही बात देश से प्रेम करने की, तो हमें इसका अर्थ ही नहीं पता। वैसे भी, हम अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित करने के बजाय एक पुलिसकर्मी, अभिनेता और कलेक्टर आदि बनना पसंद करते हैं।

फिर महात्मा गांधी को याद करने का भला क्या अर्थ है? उन्होंने कहा, यह बहुत उपयोगी है। वह हमें बताते हैं कि क्या सही है और क्या गलत? वह यह भी बताते हैं कि कोई सही तरीके से कैसे जी सकता है, क्योंकि उन्होंने खुद ऐसा जीवन जिया। हम आमतौर पर उस प्रभावशाली उम्र में अनुकरणीय लोगों के गहरे प्रभाव को कम आंकते हैं। मगर जीवन की शुरुआत करने वाले युवाओं के लिए ऐसी कहानियां मायने रखती हैं। शैक्षिक विचारों की सुधार-प्रक्रिया में हमें इसी बुनियाद पर निर्माण करना चाहिए। हमारी वयस्क दुनिया में महात्मा गांधी और उनके विचारों की बेशक आलोचना की जाए, लेकिन उनका मूल्य कक्षा में बढ़ता है। और भी बहुत कुछ है, जो हमारी शिक्षा व्यवस्था गांधी से सीख सकती है।

पहली बात, शिक्षा व्यक्तियों में क्षमताओं व मूल्यों का विकास करती है। इन्हें उस समाज की दृष्टि से जोड़ा जाना चाहिए, जिसे हम बनाने में जुटे हैं। महात्मा के शिक्षा संबंधी विचार भारत के बारे में उनकी दृष्टि से पैदा हुए थे। हमें भी वही करना चाहिए, जो हमारे लिए अपने देश का विजन होना चाहिए और जो है- हमारा संविधान। दूसरी बात, पढ़ाई के तौर-तरीकों और दृष्टिकोण में बदलाव। जीवन और स्कूल का हमारा अनुभव इनके अनुरूप होना चाहिए। महात्मा की 'नई तालीम' ने यही प्रयास किया था। तीसरी बात, व्यावहारिक अभ्यास हमें सिद्धांत की ओर ले जाता है, न कि सिद्धांत से हम अभ्यास की ओर जाएं। हर किसी को अपने जीवन में कुछ न कुछ करने में सक्षम होना चाहिए। यह आश्चर्य की बात है कि हमारे संस्थान और सिस्टम इन बुनियादी सिद्धांतों से दूर हैं। इनमें से अधिकांश को महात्मा की सीख अपनानी चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बांटने की सोच छोड़ मानवीय समाज बनायें

विश्वनाथ सचदेव

बरसों पहले बनी थी वह फिल्म जिसमें एक मुसलमान द्वारा एक अनाथ हिंदू बच्चे की परवरिश के दृश्य थे। उसी फिल्म का गाना है यह जिसमें गीतकार साहिर लुधियानवी ने कहा था, 'तू हिंदू बनेगा न मुसलमान बनेगा। इंसान की औलाद है इंसान बनेगा।' लोग अक्सर इस गीत को गुनगुनाते रहते थे, अब भी अवसर आने पर दुहराते हैं। इस गीत में मनुष्य की एकता और समानता का एक संदेश है जो आज मनुष्य मात्र की आवश्यकता है। हाल ही में जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत का यह बयान सुना कि 'भगवान ने कहा है मेरे लिए सब एक हैं, उनमें कोई जाति-वर्ण नहीं है, लेकिन पंडितों ने शास्त्रों का सहारा लेकर जाति-आधारित ऊंच-नीच की बात की है, वह गलत है', तो अनायास ही मैं साहिर के इस गीत को गुनगुनाने लगा था। दरअसल आवश्यकता इस गीत को गुनगुनाने की नहीं, इसके भाव को समझने और उसके अनुसार आचरण करने की है।

मुम्बई में संत रविदास जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए भागवत ने जाति-प्रथा की विसंगति पर चोट करते हुए यह बात कही थी। 'कठौती में गंगा' का मंत्र सिखाने वाले संत रविदास ने मनुष्यता का ही एक संदेश दिया था, जो आज भी हमारी आवश्यकता है। हमारी यानी मनुष्य मात्र की आवश्यकता। मोहन भागवत संत रविदास के इसी संदेश की बात कर रहे थे। यह दुर्भाग्य ही है कि मोहन भागवत की यह बात भी विवादों के घेरे में आ गयी है। ब्राह्मणों को यह शिकायत है कि भागवत ने उनका अपमान किया है। अब आरएसएस की तरफ से एक बयान जारी किया गया है कि भागवत के वक्तव्य का गलत अर्थ लगाया गया है। उन्होंने शास्त्रों का गलत आधार लेकर जाति-प्रथा को बढ़ावा देने वाले पंडितों यानी विद्वानों की बात की थी, ब्राह्मणों की नहीं। स्पष्ट है जाति की राजनीति करने वाले देश के ब्राह्मणों को नाराज़ करने का खतरा मोल नहीं लेना चाहते।

लेकिन सवाल ब्राह्मणों या विद्वानों का नहीं है, सवाल इस सच्चाई का है कि जाति-प्रथा ने आदमी और आदमी के बीच दीवार खड़ी की है। इसका नुकसान सारा भारतीय समाज झेल रहा है। यह दीवार टूटनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रवक्ता का यह कहना सही है कि 'ईश्वर सब प्राणियों में है, इसलिए रूप-नाम कुछ भी हो, लेकिन योग्यता एक है, कोई ऊंचा-नीचा नहीं है। शास्त्रों का सहारा लेकर जो जाति-आधारित ऊंच-नीच की बात करते हैं, वह झूठ है।

सवाल यह उठता है कि प्रवक्ता को यह सफाई देने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? सरसंघचालक ने रविदास जयंती के अवसर पर जो कहा वह गलत कहां है? भागवत ने तार्किक पक्ष पर उंगली रखी है। भारत और भारतीय समाज जाति-प्रथा के अभिशाप को सदियों से भुगत रहा है। स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद जब हमने 'समता, न्याय और बंधुता' के आधार पर अपना संविधान बनाया तो उम्मीद यह की गयी थी कि हमारा भारत एक ऐसा समाज बनेगा, जिसमें धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग के आधार पर किसी तरह का भेद-भाव नहीं बरता जायेगा। सब समान होंगे, सबको जीने, प्रगति करने का समान अधिकार होगा, समान अवसर मिलेंगे। पर, दुर्भाग्य से, ऐसा हुआ नहीं, ऐसा होता नहीं दिख रहा। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, वर्ण के नाम पर आज भी हम बंटे हुए हैं। इसका कारण सिर्फ ब्राह्मणों या पंडितों या विद्वानों द्वारा शास्त्रों का झूठा हवाला देना नहीं है।

ऐसा नहीं है कि आज़ादी के बाद जाति या धर्म-आधारित व्यवस्था में कुछ सुधार नहीं हुआ। हुआ है सुधार, और सुधार की कोशिशें भी होती रहती हैं, पर अब राजनीतिक स्वार्थों से हमें परिचालित किया जा रहा है। पंडित और ब्राह्मण के बीच अंतर बताने की विवशता के पीछे ऐसे ही स्वार्थ अपनी भूमिका निभा रहे हैं। अभी हम तुलसीकृत रामचरितमानस की एक चौपाई के विवाद से उबरे भी नहीं हैं कि एक नया विवाद खड़ा कर दिया गया है। चर्चित चौपाई से 'छोटी' समझी जाने वाली जातियों के लोग नाराज़ हो रहे हैं और भागवत के कथन से ब्राह्मण नाराज़ हैं। सच पूछा जाये तो ये दोनों विवाद बेमानी हैं। मानस की विवादित चौपाई में 'शूद्रों और नारियों को लेकर जो कुछ कहा गया है, वह न तुलसी ने कहा है, न उन्होंने राम के मुंह से कहलवाया है। वह कथन समुद्र का है। समुद्र के विचार हैं ये। तुलसी का राम तो शबरी के जूठे बेर खाता है, निषाद को गले लगाता है। यह सब दिखा कर तुलसी ने यही समझाना चाहा है कि जाति या वर्ग के आधार पर आदमी और आदमी के बीच दीवार खड़ी करना ईश्वर-विरोधी कर्म है।' आज भागवत समाज के प्रति जिस ज़िम्मेदारी की बात कर रहे हैं, उसके पीछे भी सामाजिक समानता की भावना ही है, होनी चाहिए। साहिर लुधियानवी ने अपने गीत 'इंसान की औलाद' का हवाला देकर जो बात कही थी, वह एक शाश्वत सत्य है। इस सत्य को समझना-स्वीकारना होगा हमें।

भागवत के 'पंडितों की करनी' वाले बयान पर उठा विवाद तो निरर्थक है। इस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक के प्रवक्ता की सफाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। ऐसा करना क्यों ज़रूरी समझा गया, क्यों 'अनुवाद की गलती' की बात कही गयी, इसे आज की राजनीति के संदर्भ में समझना मुश्किल नहीं है। आवश्यकता इस राजनीतिक विवशता से उबरने की है। भागवत पहले भी कुछ विवेकशील बयान दे चुके हैं, जैसे भारत में जन्में हर व्यक्ति को हिंदू होने वाला बयान। पर अक्सर किसी की, अथवा कोई विवशता, लीपापोती करने की जरूरत बन जाती है। नहीं होना चाहिए ऐसा। ईश्वर ने इंसानों को समान बनाया है, हिंदू-मुसलमान में तो हमने उन्हें बांट दिया, जातियां हमने बनायी हैं, हम याद नहीं रखना चाहते। यह 'हरि' सबका है, इसे अल्लाह या ईश्वर या गॉड में बांटना वस्तुत: उस ईश्वर को ही विभाजित करना है। इसे आप अपराध कहें या पाप, पर आदमी को बांटने का यह कर्म मनुष्यता-विरोधी काम है। बंटवारे की इस मानसिकता से उबरकर ही हम एक मानवीय समाज बना सकते हैं। कब उबरेंगे हम?

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करेः-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

मुख्यमंत्री का भेंट-मुलाकात डोंगरकट्टा वासियों के लिए साबित हुआ वरदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भेंट–मुलाकात कार्यक्रम भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के ग्राम डोंगरकट्टा वासियों के लिए वरदान साबित हुआ है। इस गांव के सम्पूर्ण जमीन का रिकार्ड ई.ओ.डब्ल्यू. द्वारा जप्त कर वापस नहीं किया गया था, जिसके कारण यहां के खातेदारों को समस्या का सामना करना पड़ रहा था, जिसे वे 25 वर्षों से झेल रहे थे, अब वह समस्या हल हो गई है।

ग्राम डोंगरकट्टा के जमीन का सम्पूर्ण दस्तावेज एवं जमीन का नक्शा भुईंया पोर्टल में अपलोड कर दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार जिला प्रशासन कांकेर द्वारा शासन स्तर पर पत्र व्यवहार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप आज ग्राम डोंगरकट्टा के जमीन का नक्शा भुइंया सॉफ्टवेयर में अपलोड कर दिया गया है, इससे ग्रामवासियों के साथ–साथ 110 खातेदारों को भी फायदा मिलेगा।

भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के ग्राम भानबेड़ा में 03 जून को भेंट–मुलाकात कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहां पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की फीडबैक ली जा रही थी तथा ग्रामीणों से उनकी समस्या व शिकायतों के संबंध में पूछताछ किया जा रहा था। उस समय ग्राम डोंगरकट्टा के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री बघेल से गुहार लगाते हुए बताया कि ग्राम डोंगरकट्टा के संपूर्ण जमीन के रिकार्ड को ई.ओ.डब्ल्यू. द्वारा जप्त कर लिया गया है, जिसे वापस नहीं करने के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव के किसानों का खाता, बंटवारा, सीमांकन, खरीदी–बिक्री इत्यादि कार्य नहीं हो पा रहे हैं, इसके कारण उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों की पीड़ा को सुनकर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस संबंध में कार्यवाही करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया था। निर्देशानुसार ग्राम डोंगरकट्टा के जमीन के रिकॉर्ड को भुईंयॉ साफ्टवेयर में अपलोड कराने के लिए लगातार प्रयास किया गया जिसके परिणामस्वरूप ग्राम डोंगरकट्टा के सम्पूर्ण राजस्व रिकॉर्ड एवं नक्शा को आज भुंईयां साफ्टवेयर में अपलोड कर दिया गया है। अपने गांव के जमीन का रिकार्ड एवं नक्शा भुइंया सॉफ्टवेयर अपलोड होने पर ग्राम डोंगरकट्टा के ग्रामीण बेहद खुश हैं। गांव के वरिष्ठ नागरिक राकेश कोरेटी ने अपनी खुशी का इजहार करते हुए कहा कि अब हमें जमीन के रिकॉर्ड संबंधी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा, सीमांकन, बंटवारा, नामांतरण इत्यादि सुविधाओं का लाभ मिलेगा साथ ही शासकीय योजनाओं से भी लाभान्वित होंगे।

गर्मी में लोगों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने तैयारियों में जुटा निगम

शहर के निर्माणाधीन तीन विशाल ओवर हैंड टैंकों को जल्द चालू करने और मरम्मत लायक टैंकरों की दस दिन के भीतर मरम्मत कराने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। नगर पालिक निगम में महापौर विजय देवांगन और आयुक्त विनय पोयाम ने जल विभाग अध्यक्ष अवैश हाशमी के साथ अधिकारियों कर्मचारियों की बैठक बुलाकर जल विभाग की वस्तुस्तिथि से अवगत हुए। शहर में निर्माणाधीन तीन विशाल ओवरहैड टैंक जिसमे गोकुल पुर, सुभाष नगर वार्ड काटा तालाब और नवागांव वार्ड के टैंक को जल्द से जल्द चालू करने निर्देश दिए ताकि शहरवासियों को इस गर्मी में और बेहतर पेयजल उपलब्ध हो।

जितने मरम्मत के लायक टैंकर है, उसे दस दिनों के अंदर सुधरवाने कहा जिससे जहां एकदम जरूरत हो वहां टैंकर भेज सके। ये भी कहा कि इस बात का विशेष ख्याल रखे कि पेयजल की व्यवस्था ऐसी रखी जाए कि हमारा शहर टैंकर मुक्त हो और जल्द ही सभी जरूरत के जल और विद्युत के समान पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने निर्देश दिये एवं सभी प्रकार के मोटर पंप भी उपलब्ध रखने कहा जहां भी मोटर पंप खराब हो वहां तुरंत उसी दिन मोटर पंप लगाया जाए ताकि उस क्षेत्र के वार्डवासी को पेयजल जैसी समस्या से जूझना न पड़े। पाईप लाईन लीकेज या कही भी पानी की बर्बादी की जानकारी मिले उसे तत्काल सुधारा जाए। जल जैसी मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो इस बात का विशेष ख्याल रखे। महापौर व आयुक्त ने बैठक में कहा कि जल विभाग अध्यक्ष अवैश हाशमी बहुत अच्छे से जिम्मेदारियों को निभा रहे और आप सब इनके नेतृत्व में अच्छा कार्य कर रहे हो जिसका परिणाम है पिछले तीन साल शहर में पानी की समस्या नहीं हुई, आगे भी बेहतर से बेहतर व्यवस्था आप सब रखेंगे ऐसी हम आप लोगों से आशा करते हैं। महापौर ने कहा कि इस गर्मी में भी पेयजल व्यवस्था को बेहतर से बेहतर बनाने में आप सब जुट जाएं और आज जो बैठक में निर्देश मिला उस पर जल्द अमल कर जल्द से जल्द कार्यवाही करे और अगले हफ्ते इस सब कार्यवाही की हमे जानकारी देवे।आज की इस बैठक में नगर पालिक निगम के जल विभाग अध्यक्ष अवैश हाशमी एवं एम आई सी मेम्बर कमलेश सोनकर,पार्षद दीपक सोनकर,सूरज गहेरवाल और जल अधीक्षक विजय मेहरा,इंजीनियर लोमस देवांगन, लिपिक नरेंद्र साहू और सहायक लिपिक रौशन सिंधे मौजूद थे।

खास खबर

साल का पहला नेशनल लोक अदालत 11 को

राजनांदगांव। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मुख्य न्यायाधिपति छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा 11 फरवरी 2023 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोजित नेशनल लोक अदालत वर्ष 2023 का पहला लोक अदालत होगा तथा यह लोक अदालत पूरे देश में आयोजित किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत जिला न्यायालय राजनांदगांव के साथ–साथ तालुका स्तर पर डोंगरगांव, डोंगरगढ़, खैरागढ़, अंबागढ़ चौकी एवं छुईखदान में आयोजित की जायेगी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री विनय कुमार कश्यप ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यू एडीआर भवन जिला न्यायालय परिसर में नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक प्रस्तुत किए जा रहे प्रकरणों के निराकरण के संबंध में बैठक ली। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने प्रस्तुत किये जा रहे प्रकरणों में अधिक से अधिक ध्यान देने तथा सभी के उचित प्रयासों से वर्ष के पहला नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के निर्देश दिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री देवाशीष ठाकुर ने बताया कि जिला न्यायालय राजनांदगांव के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा नेशनल लोक अदालत के लिए गठित खंडपीठों द्वारा विभिन्न प्रकरणों व प्री–लीटिगेशन का निराकरण किया जाएगा। लोक अदालत के माध्यम से न्यायालय में राजीनामा योग्य अपराधिक प्रकरणों, धारा–138, परक्राम्य लिखत अधिनियम, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, बैंक रिकवरी प्रकरण, सिविल प्रकरण, निष्पादन प्रकरण, राजस्व प्रकरण, विद्युत संबंधी मामलों एवं पारिवारिक विवाद के मामलों का निराकरण किया जाना है। इसके अतिरिक्त बैंक, विद्युत विभाग, दूरसंचार विभाग, नगरपालिका परिषद में वसूली संबंधी लंबित प्रकरण प्री–लिटिगेशन प्रकरण, जिला विधिक सहायता प्राधिकरण में प्रस्तुत किये जायेंगे।

क्रेडा सदस्य विजय साहू के नेतृत्व में सीएम बघेल से मिले साहू समाज के प्रतिनिधि, विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ क्रेडा सदस्य विजय साहू के नेतृत्व में बुधवार को भिलाई जिला साहू समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात की। इस मौके पर साहू समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सामने कई बातें रखी। सीएम बघेल ने समाज के प्रतिनिधियों की बातों को सुना और इस पर सकारात्मक चर्चा भी की। भिलाई जिला साहू समाज के प्रतिनिधि विभिन्न सामाजिक विषयों को लेकर माननीय मुख्यमंत्री भुपेश बघेल से उनके निवास रायपुर में मुलाकात की। सभी विषयों पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक पहल की एवं जल्द से जल्द निराकरण का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर क्रेडा सदस्य विजय साहू के साथ भिलाई जिला साहू समाज के अध्यक्ष हरिद्वारिका साहू, महासचिव अमोल दास साहू, कोषाध्यक्ष उपेन्द्र साहू और साहू मित्र सभा भिलाई के अध्यक्ष खेद राम साहू उपस्थित रहे।

ग्रामीण उद्यमिता की नई पहचान बनेगा रीपा–कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। गांवों में रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ संचालित हो रही शासन की महत्वपूर्ण योजना ग्रामीण औगोगिक पार्क (रीपा) का निरीक्षण करने कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा आज धरमजयगढ़ विकासखंड के बरतापाली गौठान में पहुंचे। उन्होंने कहा कि की रीपा ग्रामीण उद्यमिता को नई पहचान देगा।

कलेक्टर सिन्हा ने यहां महिला समूह तथा गौठान समिति के सदस्यों से रीपा में शुरू होने वाली आजीविका मूलक गतिविधियों की जानकारी ली। बरतापाली रीपा में मछली बीज, फेब्रिकेशन, फ्लाई ऐश ब्रिक, महुआ प्रोसेसिंग यूनिट जैसे कार्य किए जायेंगे। कलेक्टर सिन्हा ने रीपा का काम जल्द पूरा करने के लिए कहा। यहां बिजली का काम भी पूर्ण करने के निर्देश उन्होंने दिए। कलेक्टर सिन्हा ने आमगांव में फॉरेस्ट क्लस्टर का भी निरीक्षण किया। यहां वन अधिकार पत्र प्राप्त हितग्राहियों के द्वारा क्लस्टर में कई आजीविका मूलक कार्य किए जा रहे हैं। कलेक्टर सिन्हा ने सरिया नाला में वन विभाग द्वारा किए गए नरवा संवर्धन का काम भी देखने पहुंचे। डीएफओ धरमजयगढ़ जोगावत ने बताया कि यह क्षेत्र का सबसे लंबा नाला है। इसकी लंबाई 27 किमी है इसमें 7 स्टॉप डैम बनाया गया है। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने छाल स्थित बालिका आश्रम के निरीक्षण में पहुंचे। यहां सबसे पहले छात्रावासी बच्चियों से मुलाकात कर उनकी पढ़ाई–लिखाई के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कक्षा आठवीं की छात्रा आरती से जब 19 का पहाड़ा पूछा तो उसने बिना अटके पूरा पहाड़ा सुना दिया। कलेक्टर सिन्हा ने उन्हे न सिर्फ शाबाशी दी बल्कि इनाम में खेलने की सामग्री और किताबें भी दीं। इसी तरह कक्षा छठवीं की छात्रा चंद्रकिरण ने भी सवालों का सही जवाब दिया। कलेक्टर सिन्हा ने बच्चों के डाइट के बारे में जानकारी ली और आश्रम के किचन का जायजा लिया। साथ ही आश्रम में बच्चों के कमरे, क्लासरूम का भी उन्होंने निरीक्षण किया और अधीक्षिका को निर्देशित किया कि साफ – सफाई का विशेष ध्यान रखें।

500 किलो फूल से पूरे कथा पंडाल में खेली गई फूलों की होली

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कथा के अंतिम दिवस देवी चित्रलेखा जी ने सुदामा चरित्र, एवं पंडाल में फूलों की होली आयोजन की, फूलों की होली में पूरा पंडाल फूल फूल हो गया, चारो तरफधर्मप्रेमी अपने हाथों से फूल उठाते हुए नजर आए, आयोजको द्वारा लगभव 500 किलो फूल पूरे पंडाल में वितरण किया गया था। आज की कथा में देवी जी ने कहा कि अपने सनातन धर्म पर अडिग रहो, चाहे कैसी भी परिस्थिति हो सच्चा वैष्णव दुख हो या सुख दोनों परिस्थिति में समान रहता है। सुख में न वो फूलता है और दुख में वो न डूबता है। सुख में मनुष्य सरकती रेती जैसा बन जाता है, समय कब बीत गया पता ही न चला और दुख में मनुष्य के हृदय में कांटा जैसा चुभता है, लेकिन दोनों ही स्थिति में वैष्णव को स्थिर रहना चाहिए। जीवन में कई बार बहुत सारी ऐसी बातें होती हैं जो हमे अच्छी नहीं लगती हैं लेकिन तब भी ये विश्वास रखना चाहिए कि भगवान जो करे सो भली करे। जिस प्रकार माँ बाप अपने सन्तान की रक्षा करते हैं उसी प्रकार अपने भक्तों की रक्षा भी भगवान करते हैं। कथा के सप्तम दिवस में पूज्या देवी चित्रलेखाजी ने कथा आरंभ करते हुए भगवान् के 16,108 विवाह का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान् की 8 मुख्य पटरानी हुए और बताया कि एक भौमासुर नामक दैत्य 1,00,000 कन्याओं के साथ विवाह करने के उद्देश्य से उन्हें बंदी बना कर रख रहा था । तब उन कन्याओं के जीवन की रक्षा के लिए भगवान् ने उस दैत्य का संहार किया और उन कन्याओं को कैद से बचाया मगर जब कन्याओं ने कहा कि इतने वक्त परिवार से दूर रहने के बाद उन्हें कौन स्वीकार करेगा। तो उन्हें इस लांछन से बचाने के लिए भगवान् ने उन 16,100 कन्याओं से विवाह किया। उसके पश्चात सुदामा चरित्र एवं सुदामा मिलन की कथा सुनाई, इसके पश्चात कथा के मुख्य प्रसंगों को श्रवण करा के कथा सार सुनाया और फिर शाप की अवधि के अनुसार सुखदेव जी ने वहां से प्रस्थान किया परीक्षित जी ने खुद को भगवान् में लीन कर लिया और तक्षक नाग ने उन्हें डंसा ।

आपके द्वार आयुष्मान अभियान अंतर्गत स्कूल एवं कॉलेजों में आयुष्मान कार्ड पंजीयन शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राज्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार कलेक्टर डोमन सिंह के मार्गदर्शन में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत जिले के छुटे पात्र राशनकार्डधारी परिवारों के समस्त सदस्यों का शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड पंजीयन किया जाना है। जिले में कुल 9 लाख 26 हजार 276 पात्र राशन कार्डधारी परिवारों में से 6 लाख 47 हजार 340 पात्र हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड हेतु पंजीयन किया गया है, जो कि निर्धारत लक्ष्य के विरूद्ध 70 प्रतिशत है।

राज्य से प्राप्त निर्देशानुसार शेष 30 प्रतिशत पात्र हितग्राहियों में से अधिकांशतः स्कूल एवं कॉलेजों में अध्ययनरत बच्चों का आयुष्मान कार्ड पंजीयन किया जाना शेष है। जिले के चिन्हांकित स्कूलों व कॉलेजों में आयुष्मान कार्ड पंजीयन शिविर का आयोजन च्वॉइस सेंटर संचालकों के माध्यम से शिविर लगाकर किया जा रहा है। शिविर में आयुष्मान कार्ड से वंचित बच्चों जिनका आधार कार्ड अपडेट हैं, उनके के आयुष्मान कार्ड का पंजीयन निःशुल्क किया जाएगा। साथ ही जिन बच्चों के आधार कार्ड अपडेट नहीं हुआ है, जैसे वर्तमान मोबाईल नम्बर, अंगुठे का निशान एवं वर्तमान फोटो इत्यादि के लिए परिजनों से अपील की गई है कि आधार कार्ड अपडेट करवाने हेतु नजदीकी च्वॉइस सेंटर में जाकर तुरंत आधार कार्ड अपडेट कराएं जिससे भविष्य में बच्चों का आयुष्मान कार्ड का पंजीयन किया जा सके।

आपके द्वार आयुष्मान अभियान का प्रमुख उद्देश्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना, मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत जिले के शत प्रतिशत राशनकार्डधारी पात्र हितग्राहियों का निःशुल्क आयुष्मान कार्ड पंजीयन, योजनांतर्गत पंजीकृत शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों में निःशुल्क ईलाज की सुविधा प्रदान किये जाने के संबंध में जानकारी का प्रचार–प्रसार कर जिला प्रशासन द्वारा जिले के समस्त शेष पात्र हितग्राहियों से अपील करते हुये अपने एवं अपने परिवार के सभी सदस्यों का आयुष्मान कार्ड, 13 फरवरी से 28 फरवरी 2023 तक आयोजित शिविर में बनाने हेतु अपील किया गया है। आयुष्मान कार्ड पंजीयन शिविर की जानकारी संबंधित खण्ड चिकित्सा अधिकारी एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु राशन कार्ड एवं आधार कार्ड लेकर आना आवश्यक है। परिवार के सभी सदस्यों का अलग–अलग आयुष्मान भारत कार्ड बनाया जाएगा। परिवार के सभी सदस्यों के साथ अपने क्षेत्र के नजदिकी च्वॉईस सेंटर एवं सभी शासकीय अस्पताल में जाकर आयुष्मान भारत कार्ड बनवा सकते हैं।

कर्णेश्वर में रंग झरोखा ने शमा बांधा

नगरी। कर्णेश्वर महादेव मेला महोत्सव के तीसरे दिवस मेला मे क्षेत्रवासियों की भारी भीड़ रही ।लोगों ने मेला का भरपूर आनंद उठाया ।अपने जरूरी सामान की खरीददारी कर क्राफ्ट बाजार ,मीना बाजार एवं झूला का आनंद उठाया ।रात्रि में छतीसगढ़ी कार्यक्रम दुष्यन्त हरमुख कृत रंग झरोखा को दर्शकों की खूब सराहना मिली ।रिंकी देवांगन के गाये सुमधुर गीत ,बारी के तीरे तीर,झूल झूल के रेंगना जैसे कर्ण प्रिय गीतों , हास्य प्रहसन व नृत्य ने दर्शकों को देर रात जागने को मजबूर किया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उन्नत कृषक अरुण सार्वा थे ।अध्यक्षता वरिष्ठ ट्रस्टी के एस श्रीमाली ने की कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ ट्रस्टियों आनंद अवस्थी,पदाधिकारीओ ने किया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति के सदस्यों ने किए विद्यासागर महाराज के दर्शन

रायपुर (ए)। भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष मनोज कोठारी व सकल जैन समाज रायपुर के लोगों ने बुधवार को डोंगरगढ़ के आचार्य विद्यासागर महाराज व अन्य साधु वृन्द के दर्शन किए। राजनांदगांव में खरतरगच्छाधिपति जिनमणिप्रभ सूरीश्वर म.सा. एवं आचार्य पीयूष सागरजी, नवकार जपेश्वरी शुभंकरा, सम्यकदर्शना श्रीजी मसा आदि ठाणा के दर्शन, वंदन एवं सुखशाता पूछकर जीवन में धन्यता का अनुभव किया। उन्हें 21 दिनों तक चलने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी एवं उन्हें कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया।

साथ ही अनुपम एवं अदभुत सहस्त्रकुट जिनालय, दिगंबर जैन चंद्रगिरी क्षेत्र, डोंगरगढ़ के भी अपूर्व निर्माण कार्य का अवलोकन अध्यक्ष किशोर जैन, महामंत्री चंद्रकांत जैन, संरक्षक निर्माण समिति विनोद बड़जात्या के नेतृत्व में किया। इस दौरान समिति के कोषाध्यक्ष विजय गंगवाल, पूर्व ट्रस्टी प्रकाशचंद सुराना, जयकुमार बैद एवं संजय नायक, पुष्पेंद्र जैन, लोकेश चंद्रकांत जैन, श्रेयश जैन, विजय जैन, त्रिलोक पारख, अमर बरलोटा,अरविंद गोलेछा आदि मौजूद रहे। जिनशाशन के मोबाइल तीर्थ सदृष्य आचार्य विद्यासागर महाराज साहेब, खरतरगच्छाधिपति जिनमणिप्रभ सूरीश्वर म.सा, आचार्य पीयूष सागर महाराज तथा समस्त साधु साध्वी वृंदो को भगवान महावीर जन्म कल्याणक समिति ने पत्र के द्वारा 15 मार्च भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक से 4 अप्रैल भगवान महावीर जन्म कल्याणक तक की पूरे भारत में अनूठी सकल जैन समाज की मनोरम प्रभात फेरी की जानकारी दी गई। साथ ही इस भव्य आयोजन को सुचारू एवं सफल बनाने आपश्री के तप एवं संयम जीवन से प्राप्त साधना की अमृत बूंदों के रूप में समिति द्वारा आशीर्वचन एवं निश्रा शुभाशीष की कामना की गई। भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति पुन: आप सभी की सुखशाता चाहते हुए उत्तरोत्तर आपकी संयम यात्रा निर्बाध गति से चलती रहे।

धरसीवां 16 को और आरंग में 23 को लगेंगे राजस्व शिविर

रायपुर (ए)। रायपुर जिला के राजस्व प्रकरणों- नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, किसान किताब, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र , निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य राजस्व से संबंधित प्रकरणों के निराकरण हेतु तहसील कार्यालयों में राजस्व शिविर लगाया जा रहा है। इसी तारतम्य में 16 फरवरी को धरसीवां और 23 फरवरी को आरंग में शिविर आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि रायपुर तहसील कार्यालय में 4 फरवरी को शिविर आयोजित किया गया था।

कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने शिविर में अनुविभागीय अधिकारी (रा0), तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर राजस्व प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए है।

ईसाई समाज द्वारा किए गए शिक्षा, स्वास्थ और मानवता की सेवा के कार्य सराहनीयः मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री रायपुर आर्च डायसिस के स्वर्ण जयंती समारोह में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रायपुर के अम्लीडीह स्थित कैथोलिक चर्च में रायपुर आर्च डायसिस के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ईसाई समाज द्वारा किए गए शिक्षा, स्वास्थ और मानवता सेवा के कार्य सराहनीय हैं, उनका कोई सानी नहीं है। जब शिक्षण संस्थाओं का अभाव था, तब मसीही समुदाय ने स्कूल और हॉस्टल खोले। ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार-प्रसार किया। ईसाई समाज ने शिक्षा और स्वस्थ्य के क्षेत्र में सेवा के कार्यों को ऐसे स्थानों तक भी पहुंचाया जहां लोगों का पहुंचना भी कठिन था।

श्री बघेल ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के समय में भी ईसाई समुदाय तत्परता के साथ मानवता की सेवा की। जब कुष्ठ रोग पीड़ितों को लोग छूने से भी संकोच करते थे तब इस समाज ने कुष्ठ रोगियों के लिए काम किया। कुष्ठ रोग पीड़ितों के इलाज के लिए ईसाई समाज ने अभनपुर, बैतलपुर समेत कई स्थानों पर हॉस्पिटल व डिस्पेंसरी खोले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईसाई समुदाय का छत्तीसगढ़ से पुराना नाता रहा है। यह समुदाय प्रभु यीशु और संत माता मरियम की दया, करुणा, सेवा, क्षमा, प्रेम, त्याग की शिक्षाओं को आगे बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित भारत और नेपाल के लिए वेटिकन के राजदूत लियोपोलोदो जिरेल्ली सहित स्वर्ण जयंती समारोह में उपस्थित कार्डिनल, आर्च, बिशप, गण फादर, सिस्टर्स और समाज के लोगों का छत्तीसगढ़ में हार्दिक स्वागत करते हुए उपस्थित सभी लोगों को स्वर्ण जयंती समारोह की बधाई और शुभकामनाएं दी। इसके पहले वेटिकन के राजदूत लियोपोलोदो जिरेल्ली और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी किया।

वेटिकन के राजदूत लियोपोलोदो जिरेल्ली ने रायपुर आर्च डायसिस के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर पोप फ्रांसिस और अपनी ओर से सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध और गौरवशाली संस्कृति, आदिवासी संस्कृति, लोक संगीत, लोक कला और छत्तीसगढ़ की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए छत्तीसगढ़ क्रिश्चन एजुकेशनल सोसायटी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में और ईसाई समुदाय द्वारा स्वास्थ और सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि रायपुर आर्च डायसिस की स्थापना 5 जुलाई 1973 को की गई थी।

विधायक सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि यह समुदाय करूणा, दया, ममता और उपकार की भावना को लेकर समाज की सेवा कार्य करता रहा है। शिक्षा और जन स्वास्थ इनका हमेंशा से उद्देश्य रहा है। भारतीय कैथोलिक बिशप परिषद के महासचिव अनिल कुटो और हैदराबाद के कार्डिनल एंथोनी पुला ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। स्वागत भाषण छत्तीसगढ़ के आर्च बिशप विक्टर हैनरी ठाकुर ने दिया।

रायपुर आर्च डायसिस के स्वर्ण जयंती समारोह में रायपुर महापौर एजाज ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष पंकज शर्मा, हैदराबाद के कार्डिनल एंथोनी पुला, दिल्ली के आर्च बिशप अनिल कुटो, भोपाल के आर्च बिशप एएएस दुरईराज जी, कोलकाता के आर्च बिशप थॉमस डिसूजा, आगरा के आर्च बिशप रॉफी मंजिली, पटना के आर्च बिशप सेबेस्टियन कल्लपुरा व नागपुर के आर्च बिशप श्री एलियास गॉनसालवेज, छत्तीसगढ़ के पूर्व आर्च बिशप जोसफ ऑगस्टिन, छत्तीसगढ़ डायसिस सीएनआई के पूर्व बिशप रॉबर्ट अली, रायपुर के विकार जनरल फादर सेबेस्टियन पी., डायसिस की स्टुअर्टशिप कमेटी के सचिव और प्रवक्ता जॉन राजेश पॉल और सर्व आस्था मंच समेत राजधानी के कई समाज सेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सभी स्कूलों की गोबर पेंट से होगी पोताई और लगेगा लोगो

हजार करोड़ रुपए से होंगे स्कूलों के मरम्मत कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के स्कूलों की मरम्मत के लिए लगभग एक हजार करोड़ रुपए उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही सभी शासकीय स्कूलों की गोबर पेंट से पोताई कराई जाएगी और उसके बाद लोगो भी लगाया जाएगा। यह सभी कार्य आगामी शिक्षा सत्र से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को दिए गए हैं। यह बात स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कही। वे आज रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे।

बैठक में प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला, सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. एस. भारतीदासन, संचालक लोक शिक्षण सुनील कुमार जैन सहित जिलों के जिला शिक्षा अधिकारीगण और जिला मिशन समन्वयकगण उपस्थित थे।

मंत्री डॉ. टेकाम ने समीक्षा बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में जर्जर स्कूलों की मरम्मत के लिए लगभग एक हजार करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रदान की है। जिला शिक्षा अधिकारियों को मरम्मत योग्य सरकारी स्कूलों की जानकारी 7 दिनों के भीतर विभागीय पोर्टल में दर्ज करना होगा। उन्होंने कहा कि स्कूलों के मरम्मत कार्य के स्वीकृति और निर्माण एजेंसी जल्द से जल्द तय कर शीघ्र ही कार्य प्रारंभ करें। आगामी शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले सभी मरम्मत के कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। इसके अलावा इस बार शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले सभी स्कूलों की पोताई गोबर पेंट से कराई जाए। स्कूलों की मरम्मत कराने से पहले की स्थिति, मरम्मत कार्य के समय और कार्य पूर्ण होने के बाद का फोटोग्राफ्स विभागीय पोर्टल में अनिवार्य रूप से अपलोड करें।

बैठक में बताया गया कि 'सुघ्घर पढ़वैया योजना' सभी शासकीय प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों के लिए है। इसका उद्देश्य स्वप्रेरणा से अच्छे कार्य एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित करना है। अभी तक 35 हजार 889 स्कूलों ने आकलन के लिए चुनौती दी है और इनमें से 4 हजार 490 स्कूल थर्ड पार्टी आकलन के लिए सहमत हैं।

डॉ. टेकाम ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि स्कूल बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए प्रेरित करें और सभी स्कूलों को चुनौती देने हेतु प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि सभी स्कूलों को 'निकलर' एप का उपयोग करना आना चाहिए। स्कूल के प्रधानपाठक और शिक्षक बच्चों के शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाकर स्व आकलन कर थर्ड पार्टी के लिए चुनौती दे। उन्होंने कहा कि स्कूल को धीरे-धीरे वर्तमान शैक्षणिक स्तर से ऊपर उठाने प्रोत्साहित किया जाए। बच्चों की शैक्षणिक योग्यता का आकलन कर उनकी कमी को दूर करें। इसके लिए संकुल स्तर के स्कूलों का भी सहयोग लिया जाए।

मुख्यमंत्री की पहल से रामनारायण को मिला खेल अकादमी में प्रवेश

मुख्यमंत्री से रामनारायण ने की थी भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले के एक छोटे से गांव के छात्र रामनारायण श्रीवास के सपने को पंख मिल गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के संवेदनशील पहल से रामनारायण को बहतराई खेल अकादमी में प्रवेश दिलाया गया है। अकादमी से प्रशिक्षण लेकर वह अब एथेलेटिक्स बनेगा। जिले के विकासखंड पोड़ी उपरोडा के बस्तीपारा बनिया गांव में रहने वाले छात्र राम नारायण श्रीवास को एथलेटिक्स में विशेष रूचि थी, उसके विद्यालय में खेलकूद हुआ था, तब उसने 800 मीटर दौड़ मे प्रथम और 1500 मीटर दौड़ मे दूसरा स्थान हासिल किया था। लेकिन उचित प्रशिक्षण के अभाव में वह राज्य स्तरीय खेल में स्थान नहीं बना पाया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान जब ग्राम पिपरिया में ग्रामीणों से रूबरू होने पहुंचे तो रामनारायण को भी मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रखने का मौका मिला। उसने प्रशिक्षण दिलाने की मांग रखी ताकि वह एथलेटिक्स में आगे बढ़ सके। मुख्यमंत्री ने उनसे वादा किया कि उनको बहतराई खेल अकादमी में प्रवेश दिलाएंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर खेल विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए रामनारायण को खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफएक्सीलेंस बहतराई बिलासपुर में प्रवेश कराया गया है और उसे अभी असेसमेंट कैंप में रखा गया है। राम नारायण का प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया है, जहां वह लगन के साथ ट्रेनिंग ले रहा है।

महिला स्व सहायता समूह ने 1 करोड़ रूपए तक पहुंचाया वर्मी खाद विक्रय का टर्नओवर

गोधन न्याय योजना दिखा रही है महिलाओं को आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का रास्ता

सविता ने खरीदी टू व्हीलर, प्रीति ने परिवार को दिया मजबूत सहारा

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर शुरू की गयी छत्तीसगढ़ की महत्वकांक्षी गोधन न्याय योजना ने अपनी शुरुआत के साथ ही प्रदेश में एक नई आर्थिक-समाजिक क्रांति का आगाज किया। बहुत कम समय में इस योजना ने अपनी महत्ता और सार्थकता साबित कर पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया है। इस अनूठी योजना ने लोगों को अतिरिक्त आय का जरिया दिया और साथ ही महिलाओं को विशेष रूप से रोजगार के अवसर दिए है। छत्तीसगढ़ शासन इस योजना के तहत पशुपालकों से गोबर खरीद रही है। इस गोबर से गौठानों में स्व सहायता समूहों के द्वारा वर्मी खाद बनाई जा रही है। इस वर्मी खाद के विक्रय से समूहों को जो लाभ हो रहा हैं और उससे उनके जीवन में बड़ा बदलाव आ रहा है और इस बदलाव की प्रत्यक्ष गवाह है स्वच्छ मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र स्तरीय संघ की महिलाएं। राज्य के नवीन जिले मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के अंतर्गत जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ के शहरी गौठान में वर्मी खाद निर्माण में संलग्न स्वच्छ मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र स्तरीय संघ का टर्नओवर 1 करोड़ रूपए तक जा पहुंचा है। वर्ष 2020 में योजना के शुभारंभ के साथ ही गौठान में गोबर खरीदी का कार्य शुरू हुआ। आज इस संघ द्वारा 100312 क्विंटल वर्मी खाद विक्रय किया जा चुका है जिसकी राशि 1 करोड़ 32 हजार रुपये है। इसमें समूह का शुद्ध लाभ 36.73 लाख रुपए है।

गोधन न्याय योजना से खरीदी अपनी टू व्हीलर

पूरे जिले में सर्वाधिक वर्मी खाद उत्पादन करने वाले विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ की स्वच्छ मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र स्तरीय संघ की सदस्य सविता दास बताती हैं कि जब गोधन न्याय योजना शुरू हुई तो शहर के गौठान में समूह के रूप में जुड़कर वर्मी कम्पोस्ट निर्माण का कार्य शुरू किया। जैसे-जैसे उत्पादन एवं विक्रय से लाभ मिला, लोगों का हमारे प्रति नजरिया बदलने लगा। इस योजना से हमें स्वरोजगार का जरिया मिला है और वर्मी खाद विक्रय से जो लाभांश मुझे मिला उससे मैंने टू व्हीलर गाड़ी खरीदी है। सविता मुस्कुराते हुए कहती हैं कि मैं अपनी गाड़ी से गौठान आती हूं।

सीएम बघेल को समूह की महिलाएं देती हैं धन्यवाद

समूह की उपाध्यक्ष प्रेमलता भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को इस महती योजना के लिए धन्यवाद देती हैं। समूह की अध्यक्ष प्रीति टोप्पो बताती हैं कि उन्हें मिले लाभांश से उसने बहन की शादी में कुछ कर्ज लिया था, वो इस पैसे से छूट गया, बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए साइकल लेकर दी और घर के लिए टीवी भी ले लिया। घर के लोग पहले घर मे टाइम ना दे पाने के कारण थोड़ा नाराज थे पर अब आय देखकर खुश हैं। सदस्य अगस्तिना एक्का बताती हैं कि पति के देहांत के बाद परिवार को आर्थिक दिक्कतें हुई पर अब वे परिवार को सहारा देने गौठान में काम कर रही हैं। उनकी टू व्हीलर लेने की इच्छा है और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही वे अपनी गाड़ी ले सकेंगी।

आत्मनिर्भरता का मिला रास्ता

इस समूह में 73 महिलाएं हैं। यानि सीधे-सीधे 73 महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं। गौठान में वर्मी कम्पोस्ट खाद उत्पादन के काम से जुड़ी कोई महिला निर्धन परिवार से है तो किसी ने कभी घर से बाहर निकलकर कभी काम नहीं किया। इस काम से हुई कमाई ने उन्हें अपने परिवार का मजबूत स्तंभ बनाया है। उन्हें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का रास्ता भी दिखाया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

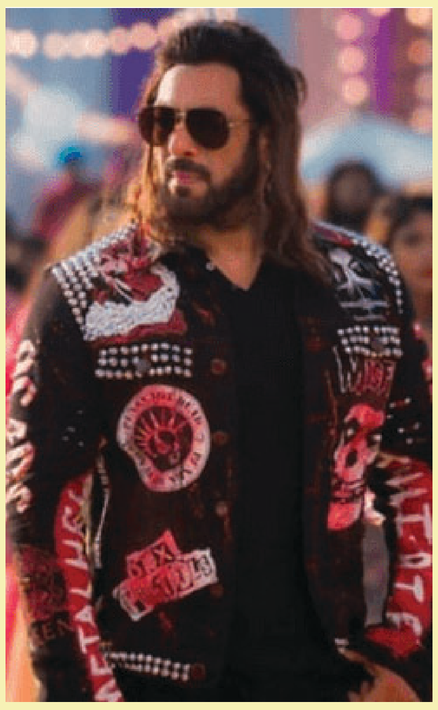

सलमान ने पूरी की किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग, साझा किया पोस्ट

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर सलमान खान ने अपने अंदाज से लोगों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। जल्द ही सलमान खान फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आने वाले हैं और खास बात तो यह है कि उन्होंने अपकमिंग मूवी की शूटिंग भी पूरी कर ली है। सलमान खान ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए दी है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग पूरी होने पर फैंस भी बेहद खुश नजर आ रहे हैं। उन्होंने ट्विटर पर ट्रेंड तक शुरू कर दिया है।

सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से किसी का भाई किसी की जान की तस्वीर साझा करते हुए बताया कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्टर ने फोटो को इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा, किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग पूरी हो गई है। ईद 2023। जान कुमार सानू, राजीव राय और प्रतीक सहजपाल जैसे कई सितारों ने कमेंट कर उन्हें ढेर सारी बधाइयां दीं। प्रतीक सहजपाल ने सलमान खान की पोस्ट पर लिखा, गुड लक भाई। वहीं जान कुमार सानू ने इमोजी शेयर कर सलमान खान की पोस्ट पर रिएक्शन दिया।

फिल्म कांतारा का बनेगा प्रीक्वल ऋषभ शेट्टी ने खुद किया ऐलान

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कंतारा साल 2022 में काफी चर्चा में रही थी। पहले इस फिल्म ने साउथ में धमाल मचाया और फिर हिंदी में रिलीज होने के बाद इस फिल्म ने खूब कमाई की। ऋषभ शेट्टी की इस फिल्म की बॉलीवुड से लेकर साउथ तक के स्टार्स ने काफी तारीफ की है। फिल्म को रिलीज हुए अब 100 दिन पूरे हो गए है। इसके बाद अब ये फिल्म फिर से चर्चा में आ गई है। मेकर्स इस फिल्म के हिट होने के बाद अब कंतारा के प्रीक्वल को लेकर बड़ा ऐलान किया है। जिसके बाद फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं।

साउथ की साल 2022 में काफी चर्चा में रहने वाली फिल्म कंतारा के रिलीज होने के बाद से ही फैंस को इस मूवी के दूसरे पार्ट का इंतजार था। अब फिल्म की रिलीज के 100 दिन पूरे होने के बाद मेकर्स ने फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर बड़ा ऐलान किया है। एक इवेंट के दौरान ऋषभ शेट्टी बताया कि जो आप लोगों ने देखा वो फिल्म कंतारा का दूसरा भाग था। इस फिल्म का पहला साल 2024 में यानी अगले साल रिलीज होगा। उन्होंने बताया कि इसके बारे में उन्होंने तब सोचा जब वो फिल्म कंतारा की शूटिंग कर रहे थे। इस इवेंट के दौरान उन्होंने फिल्म को सफल बनाने के लिए सभी लोगों का धन्यवाद किया।

रितेश की रील और टिकटॉक बनाने की आदतः जेनेलिया

अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख, जिनकी हाल ही में रिलीज हुई मराठी फिल्म 'वेद', जिसका निर्देशन उनके पति रितेश देशमुख ने किया है, को काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उनको रितेश की टिकटॉक और रील बनाने की आदत पसंद नहीं है। लेकिन, समय के साथ उन्हें खुद रील बनाना पसंद आने लगा। वायरल रीलों के बारे में बात करते हुए, जेनेलिया ने कहा, जब हमने पहली बार कंटेंट बनाना शुरू किया तो यह टिक टॉक के लिए था। महामारी के दौरान जब रितेश ने इन्हें बनाना शुरू किया तो यह वास्तव में मुझे पसंद नहीं था। पर बाद में मुझे इसमें मजा आने लगा। आज मुझे लगता है कि मेरे आधे ऑडिशन इसी के जरिए दिए हैं। रितेश ने अपने निर्देशन को लेकर बात करते हुए कहा, मुझे लगा कि लोग मुझ पर हंसेंगे अगर मैंने उन्हें बताया कि मैं निर्देशन करना चाहता हूं- मेरे पास एकमात्र विश्वासपात्र जेनेलिया थीं। इसीलिए मैंने इनके साथ काम किया।

मुझे याद है कि मैं 'कभी अलविदा ना कहना' जैसी फिल्मों के लिए करण जौहर के आउटडोर सेट पर जाता था, जहां मैं 15 दिनों तक रहा और जहां मैंने सिर्फ शाहरुख की एक्टिंग देखी और क्राफ्ट को समझा। रितेश के निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'वेद' मराठी फिल्म उद्योग में 'सैराट' के बाद दूसरी सबसे बड़ी हिट फिल्म है।

घर की सफाई करने में आता है आलस, अपनाए ये 6 तरीके

बिना मेहनत अपने आशियाने को रखे नीट एंड क्लीन

घर में साफ सफाई की ज़िम्मेदारी मुख्यता घर की औरतों पर होती है। उन्हें ही घर को सजाने, उसे साफ रखने के लिए ज़िम्मेदार माना जाता है। हालाकि, इन दिनों ज्यादातर महिलाएं हाउस हेल्प या काम वाली लगाती है। हालाकि, मुश्किल तब बढ़ जाती है जब आपके पास कोई काम वाली नहीं हो और आप आलसी हो। खुद कुछ काम करना नहीं पसंद करती हो। ऐसे में घर को साफ कैसे रखा जाए ये एक बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे में हम आपकी मदद कर देते है। आज हम आपको 6 कारगर तरीके बताने जा रहे है जिनकी मदद से आप बड़ी आसानी से आपने घर की सफाई कर सकती है। तो चलिए जानते है इनके बारे में...

सुबह उठने के साथ ही करें बिस्तर ठीक

सुबह उठने के बाद सबसे पहला काम करे बिस्तर को ठीक करना। केवल बेड के व्यवस्थित रहने से ही आधा बेडरूम अपने आप ही साफ नजर आने लगता है।

घर में कम सामान रखें

घर में जितना ज्यादा सामान होता है उतना ही साफ सफाई का झंझट होता है ऐसे में आप उन चीजों को खरीदें जो कम जगह घेरता हो और एक साथ 2 से ज्यादा काम में आए। ऐसा करने से आपका पैसा भी बचेगा और सफाई की टेंशन से भी छुटकारा मिलेगा।

डोरमेट का इस्तेमाल करें

डोरमेट बाहर की गंदगी को घर में प्रवेश करने से रोकने का कारगर तरीका है। इसे आपको महीने में सिर्फ एक बार धोने की जरूरत होती है। हमेशा घर में कम से कम तीन डोरमेट रखें। इससे सफाई लंबे समय तक टिकी रहेगी और डोरमेट भी जल्दी गंदा नहीं होगा।

डस्ट मोब स्लिपर का करे इस्तेमाल

यदि आपको रोज झाड़ू लगाने के आलस आता है तो आप घर के फ्लोर को साफ करने के लिए डस्ट मोब स्लीपर का इस्तेमाल करें। इससे आप बिना एक्सट्रा मेहनत के आसानी से घर की सारी डस्ट साफ कर सकते हैं।

खाना बनाने के साथ-साथ करें सफाई

खाना बनाते समय ही किचन की सफाई कर लेने से समय की बचत होती है। साथ ही आपको अलग से काम करने की आवश्यकता भी नहीं पड़ती है।

फ्रिज मेट यूज करें

फ्रिज को साफ करना एक बोरियत भरा काम होता है ऐसे में आप फ्रिज मेट का इस्तेमाल करें। यह वाटरप्रूफ और ऑयल प्रूफ तो होते ही हैं साथ ही इनको साफ करना भी बेहद आसान होता है।

ऑफिस के काम और पेरेंट्स की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन के लिए अपनाएं ये 5 टिप्स

कामकाजी लोगों को घर से काम करना पसंद होता है, क्योंकि उन्हें लगता है कि वह अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। हालांकि, ऐसा नहीं है। आप भले ही शारीरिक रूप से घर पर मौजूद हैं, लेकिन आप ऑफिस के काम की जिम्मेदारियों से बंधे हुए होते हैं। ऐसे में काम और पेरेंट्स होने की जिम्मेदारियां के बीच संतुलन बनाए रखना मुश्किल होता है। आइए आज दोनों जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखने के पांच टिप्स जानते हैं।

शांत माहौल बनाने के लिए कुछ संकेत बनाएं

दिन के किस समय पर आपकी प्रोडक्टिविटी ज्यादा है, इस बात पर ध्यान दें और फिर उसी हिसाब से कामों को प्राथमिकता दें। इसके साथ ही अपनी नियमित गतिविधियों को करने के लिए पहले से समय तय करें और ज्यादा काम होने पर शांत माहौल बनाने के लिए अपने बच्चों को पहले से ही तैयार करते रहें। उदाहरण के लिए आप अपने दरवाजे पर डू नॉट डिस्टर्ब साइन लगा सकते हैं, ताकि बच्चों को इसकी आदत हो जाए।

अपने पार्टनर के साथ जिम्मेदारियों को शेयर करें

माता-पिता दोनों को बच्चे की देखभाल और जिम्मेदारियों को शेयर करने पर ध्यान देना चाहिए। इस वजह से काम को बांटने के लिए अपने पार्टनर के साथ ऑफिस के काम के एजेंडे पर बातचीत करें। याद रखें कि आपको काम इस तरह से शेयर करना है कि आप अपनी प्रोफेशनल लाइफ को प्रभावित किए बिना पेरेंट्स की जिम्मेदारियों को अच्छे से निभा पाएं। इसके साथ ही पेरेंट्स को परिस्थितियों को समझते हुए एक दूसरे की मदद करनी चाहिए।

अपने सहकर्मियों के साथ चीजें न छुपाएं

कुछ परिस्थितियां ऐसी हो सकती हैं, जहां पर आपको अपने प्रोफेशनल की जगह पेरेंट्स की जिम्मेदारियों को प्राथमिकता देने की जरूरत हो सकती है। ऐसी स्थितियों में आपको जबरदस्ती सब कुछ ठीक होने का दिखावा करने की कोई जरूरत नहीं है। इस तरह की स्थिति में आप अपने सहकर्मियों के साथ खुलकर बात करें और उन्हें कुछ भी बताने से बिल्कुल भी न हिचकिचाएं। हालांकि, आपको यह जरूर सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में आप काम की भरपाई कर देंगे।

अपने बच्चों को स्वतंत्र रहना सिखाएं

शुरू में भले ही आपको यह काम थोड़ा चुनौतीपूर्ण लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे यह आसान हो जाएगा। एक पेरेंट्स होने के नाते अपने बच्चों को खुद निर्णय लेना सिखाएं ताकि वह हर समय आपको तंग न करें और किसी भी चीज पर आपकी राय का इंतजार न करे। इस वजह से स्वतंत्र रूप से बच्चों को खेलने के लिए प्रोत्साहित करें और कुछ काम उन्हें ही करने दें। उदाहरण के लिए अपने बच्चे को उनके कपड़े खुद धोना सिखाएं।

बच्चे को स्वतंत्र गतिविधियां करना सिखाएं

आपके बच्चे किताब पढ़ने या टीवी देखने जैसी गतिविधियों में हमेशा व्यस्त नहीं रहेंगे, इसलिए उन्हें स्वतंत्र गतिविधियां सिखाकर खेल में व्यस्त रखें। पेरेंट्स के रूप में आप उन्हें पजल को हल करने या अपनी खुद की कुछ ड्रॉइंग बनाने जैसी गतिविधियों को करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसमें आपकी सक्रिय भागीदारी की जरूरत नहीं होगी। इससे आपको अपने ऑफिस के काम पर ध्यान देने के लिए थोड़ा ज्यादा समय मिलेगा।

क्या है ट्यूबरकुलोसिस? इस बीमारी के कारण लक्षण और इलाज

ट्यूबरकुलोसिस यानी टीबी एक गंभीर रोग है, जो फेफड़ों को प्रभावित करता है। साल 2022 की विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना वायरस महामारी के कारण टीबी का इलाज बड़े पैमाने पर प्रभावित हुआ और इस वजह से सालों से लगातार घट रहे टीबी के मामलों में वृद्धि आ गई। भले ही यह एक पुराना रोग है, लेकिन कई लोगों को इससे जुड़ी ज्यादा जानकारी नहीं है। आइए आज इससे जुड़ी महत्वपूर्ण बातें जानते हैं।

अधूरी जानकारी रोग को बना सकती है अधिक गंभीर

ट्यूबरकुलोसिस एक संक्रामक रोग है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होता है। यह भारत में हर एक लाख में से 210 लोगों को प्रभावित करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्यूबरकुलोसिस में सबसे ज्यादा फेफड़ों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और यह हड्डियों और मस्तिष्क के साथ-साथ शरीर के किसी भी अंग में फैल सकता है। इस रोग का अधूरा इलाज बैक्टीरिया को अधिक घातक और इलाज के लिए कठिन बना देता है।

ट्यूबरकुलोसिस होने के कारण

ट्यूबरकुलोसिस होने का मुख्य कारण माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के संपर्क में आना है। अगर आप इस रोग से संक्रमित व्यक्ति के साथ बहुत देर तक रहते हैं तो आपके इससे प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा अगर आप धूम्रपान करते हैं या अस्पताल में काम करते हैं तो आपको यह रोग होने का खतरा अधिक है।

ट्यूबरकुलोसिस के लक्षण

सीने में दर्द, तीन हफ्ते से अधिक समय तक खांसी होना, खून वाली खांसी और बुखार इसके प्रमुख लक्षण हैं। इसके अतिरिक्त, सांस लेने में तकलीफ, शाम के समय बुखार चढ़ना, भूख में कमी, तेजी से वजन घटना और थकान महसूस करना भी इस रोग के लक्षणों में शामिल समस्याएं हैं। इस रोग से शरीर के सभी अंगों का कामकाज भी काफी प्रभावित होता है।

ट्यूबरकुलोसिस का इलाज

ट्यूबरकुलोसिस का इलाज काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस प्रकार से पीड़ित हैं। अगर इस रोग की शुरूआत है तो इसके बैक्टीरिया को दवा से मारा जा सकता है ताकि यह सक्रिय न रहे। आमतौर पर इसकी दवा का कोर्स नौ महीने तक रहता है। ध्यान रखें कि इलाज को नजरअंदाज करने या अधूरा छोड़ने पर ट्यूबरकुलोसिस मृत्यु का कारण बन सकता है।

ट्यूबरकुलोसिस से बचाव के उपाय

वैसे तो ट्यूबरकुलोसिस का इलाज संभव है, लेकिन इससे बचने के लिए कुछ सावधानियां बरतना सबसे अच्छा है। समय-समय पर अच्छे से हाथ धोना, वैक्सीनेशन करवाना और मरीजों के संपर्क में आने से बचना इसके कुछ निवारक उपाय हैं। अगर आप ट्यूबरकुलोसिस से पीड़ित हैं तो किसी अन्य व्यक्ति के साथ होने पर मुंह पर मास्क लगाकर रखें और खांसते या छींकते समय रूमाल का इस्तेमाल करें।

हेयर स्मूदनिंग करवाने की सोच रही हैं? ये है इससे होने वाले नुकसान

हेयर स्मूदनिंग बालों को सीधा करने वाला ट्रीटमेंट है। इसमें सबसे पहले फॉर्मलडिहाइड का घोल लगाकर बालों को सुखाया जाता है और फिर बालों को एक सीधी स्थिति में लॉक करने के लिए एक फ्लैट आयरन का इस्तेमाल किया जाता है। हेयर स्मूथिंग ट्रीटमेंट को केराटिन स्मूथिंग या ब्राजीलियाई ब्लोआउट्स के रूप में भी जाना जाता है। इस ट्रीटमेंट से तीन से छह महीने तक बाल सीधे रहते हैं, लेकिन इसके कई नुकसान भी हैं। आइए इसके नुकसान जानें।

बालों का झड़ना

बालों का झड़ना हेयर स्मूदनिंग का सबसे आम दुष्प्रभाव है। दरअसल, इस ट्रीटमेंट के दौरान हानिकारक रसायन युक्त उत्पादों का इस्तेमाल होता है, जिससे बालों के रोम कमजोर हो जाते हैं और जड़ों से अलग हो लगते हैं। इस कारण बाल झड़ने लगते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, हेयर स्मूदनिंग की प्रक्रिया के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रसायन युक्त उत्पाद और इनकी गर्मी बालों को कमजोर कर देती है और बालों का झड़ना तेज होने लगता है।

चक्कर, आंखों में जलन और त्वचा पर चकत्ते निकलना

हेयर स्मूदनिंग में इस्तेमाल होने वाले रसायनों की महक मतली और चक्कर आने का कारण बन सकती है। इसके अतिरिक्त, इससे आंखों के पास जलन और खुजली भी महसूस हो सकती है। इस ट्रीटमेंट के रसायनों के कारण त्वचा पर चक्कते निकलने की संभावना भी बढ़ सकती है। इस ट्रीटमेंट में फॉर्मलडिहाइड नामक एक यौगिक का भी इस्तेमाल किया जाता है, जो त्वचा पर खुजली और लालिमा उत्पन्न कर सकता है।

बालों की बनावट हो सकती है खराब

स्मूदनिंग ट्रीटमेंट में बालों के स्ट्रैंड्स में अमीनो एसिड और डाइसल्फाइड बॉन्ड टूट जाते हैं और बाल एकदम सीधे हो जाते हैं, लेकिन इससे बालों की प्राकृतिक बनावट प्रभावित हो सकती है। इससे बालों में रूखापन आ सकता है। इसका कारण स्कैल्प में रसायनों का रिसना है। इससे सतह परतदार हो जाती है। इस रूखेपन से बचने के लिए बालों पर बार-बार तेल लगाना आवश्यक है।

दोमुंहे बाल होना

हेयर स्मूदनिंग में इस्तेमाल किए जाने वाले रसायनों से बालों की नमी पर बुरा असर पड़ता है। इसमें बालों प्राकृतिक नमी कम होती है, जिसके कारण दोमुंहे बाल होने का खतरा बढ़ जाता है। दोमुंहे बाल न सिर्फ बालों को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि ये स्कैल्प के रोमछिद्रों को भी कमजोर करते हैं। हालांकि, कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

डैंड्रफ की समस्या होना

डैंड्रफ बालों की सबसे खराब समस्याओं में से एक है, क्योंकि इसके कारण खुजली, बालों का झड़ना और चिकनापन जैसी समस्या भी होने लगती है। यह समस्या हेयर स्मूदनिंग के कारण भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त, इस ट्रीटमेंट के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला हेयर लोशन और सीरम चिकनाई का कारण बनते हैं। बात दें कि बालों को नुकसान से बचाने के लिए अक्सर सीरम और क्रीम की सलाह दी जाती है, लेकिन उनका अधिक इस्तेमाल अच्छा नहीं है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

महानदी महाआरतीः भव्यता एवं दिव्यता से राजिम धाम हो रहा आलोकित

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम माघी पुन्नी मेला 2023 में महानदी महाआरती की भव्यता एवं दिव्यता से संपूर्ण राजिम धाम आलोकित हो रहा है। प्रतिदिन शाम 6 बजे से 7 बजे महानदी की महाआरती किया जाता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शुभारंभ दिवस में महानदी महाआरती कर अलौकिक आनंद का अनुभव किया। साथ ही मां गंगा से छत्तीसगढ़ की खुशहाली सुखशांति एवं समृध्दि की कामना की।

विदित हो कि शासन द्वारा लगातार तीसरे वर्ष महानदी आरती का संचालन एवं दायित्व त्रिवेणी गंगा महाआरती स्थानीय विप्र समिति को सौंपी गई है। विप्र समिति के अध्यक्ष एवं आरती प्रभारी पं. राम शर्मा ने समस्त जनता जनार्दन से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में महाआरती में शामिल होकर स्वयं, परिवार, समाज एवं इष्ट मित्रों का कल्याण करें। आरती संचालक डॉ. संतोष शर्मा ने आरती की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पैरी, सोढ़ूर एवं महानदी केवल नदी ही नहीं है बल्कि यह धर्म, अध्यात्म एवं संस्कृति का पावन संगम है। सनातन काल से महानदी में श्रध्दालुजन डुबकी लगाकर स्वयं को कृतार्थ करते आ रहें हैं। राजिम केवल नदियों का ही नहीं वरन् सांस्कृतिक धार्मिक एवं राजनीतिक चेतना का संगम है। महाआरती किसी भी पूजन विधान में या धार्मिक अनुष्ठान में जाने अनजाने में त्रुटि होने पर उन्हें पूर्णता प्रदान करती है। पं. पुरूषोत्तम मिश्र एवं उनकी टीम द्वारा सस्वर संगीतबध्द अद्भुत सुर सरिता प्रवाहित कर महाआरती की दिव्यता को और अधिक बढ़ा रही है। स्थानीय आचार्यगण कन्हैया तिवारी, विजय शर्मा, देवेन्द्र दुबे, संतोष मिश्रा, मदनमोहन, भूपेन्द्र पांडे, पदुम पांडे, ऋषि तिवारी, संजय मिश्रा, संस्कार मिश्रा, सुरज शर्मा, आदित्य शर्मा एवं संयोजक अशोक श्रीवास्तव मनीषा शर्मा महाआरती को सफल बनाने में सहयोग प्रदान कर रहें है। तीसरे दिवस की महाआरती में विशेष रूप से ब्रम्हकुमार नारायण भाई, ब्रम्हकुमारी पुष्पा बहन, आरती नोडल अधिकारी सोनी जी एवं बड़ी संख्या में श्रध्दालुगण उपस्थित थे।

अल्का परगनिहा के प्रस्तुति में दर्शक झूमने लगे मुख्यमंच पर अल्का परगनिहा की शानदार प्रस्तति

राजिम माघी पुन्नी मेला के तीसरे दिन मुख्य मंच पर छत्तीसगढ़ी कलाकारों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। कलाकरों ने छत्तीसगढ़ी परम्परा को ध्यान में रखते हुए शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। मंच पर कार्यक्रम की शुरूआत तारा साहू के द्वारा किया गया। इन्होंने 12 मासी गीत के माध्यम से छत्तीसगढ़ के सुवा नृत्य, गौरी-गौरा, राउत नाचा, पंथी नृत्य, होली की प्रस्तुति देकर मंच का वातावरण त्यौहारमय कर दिया। जिसे देखकर दर्शकों ने खूब सराहा। सांस्कृतिक मंच में सांस्कृतिक कार्यक्रम की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए बेलसोंढ़ा के पुरानिक साहू ने लुप्त हो रही छत्तीसगढ़ी धरोहर नाचा की प्रस्तुति दी। पुरानिक साहू ने तोर बोली ह मीठ लागे करोंदा......, ऐ गाड़ी वाला महूं जाहूं रे संग म.. गानों से दर्शकों का मनोरंजन किया। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति फूलवारी के अल्का परगनिहा ने प्रस्तुति दी। इनके एक से बढ़कर एक छत्तीसगढ़ी गीतों को सुन दर्शक अपने जगह पर झूमने लगे। फूलवारी के कलाकरों ने पहली प्रस्तुति पहले सुमिरौ गणराज जील ला... के साथ की। ढोल बाजे रे नगाड़ा बाजे रे... गीत गाकर मां दुर्गा की उपासना करके दर्शकों की दीर्घ आयु की कामना की। इसके बाद अल्का परगनिहा द्वारा गौरी-गौरा के स्थापना से लेकर विसर्जन तक के गीतों की प्रस्तुति दी। इसी के साथ राउत नाचा की जब प्रस्तुति हुई तो मंच के कलाकारों के साथ-साथ दर्शक भी दोहें पारने लगे। फूलवारी लोककला मंच के माइक संचालक ने बताया कि अमित परगनिहा के सहयोग से 91.2 एफ़एम. रेडियों में छत्तीसगढीं गीत सुने जा सकते है। इस बात को सुनकर छत्तीसगढ़ी गीत प्रेमी खुशी हो गए। इसके बाद मंच में मीठ-मीठ लागे मया के बानी....., बही बना दिये रे बुंदेला... के अलावा एक से बढ़कर एक छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को नाचने पर मजबूर कर दिया। कलाकारो का सम्मान स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन निरंजन साहू ने किया।

कला मरता नहीं बल्कि अमर बना देती है-तारा साहू

माघी पुन्नी मेला में रंगतरंग लोककला मंच रायपुर के लोकगायिका सुश्री तारा साहू ने मीडिया सेंटर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि छश्रीसगढ़ की लोक संस्कृति अत्यंत समृद्ध हैं। मेरे घर में संगीत का कोई माहौल नहीं था। कला मेरे लिए वरदान है स्कूलों में सहपाठी के साथ मिलकर गीत गाती थी, जिसे सुनकर शिक्षक शाबासी देते थे। धीरे-धीरे रूझान बढ़ता गया और रामायण, जगराता, भजन संध्या जैसे कार्यक्रम में जाकर प्रस्तुति देने लगी। इस दौरान कई लोग भला-बूरा कहते रहे, लेकिन उसकी परवाह न करते हुए जैसे-जैसे अवसर मिलते रहा आगे बढ़ता रही। सन् 2006 में लोककला मंच दूज के चँदा से जुड़ी। सन् 2010 में प्रसिद्ध लोक गायिका सीमा कौशिक के साथ मंच साझा किया। उससे मुझे जो खुशी मिलनी थी नहीं मिल पायी। बावजूद इसके मेरा मेहनत कम नहीं हुआ। मैं

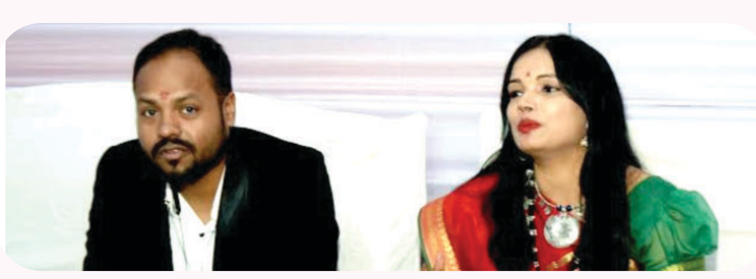

मान कर चलती थी कि 21वीं सदी स्टेज का जमाना है। पैसे कमाने के लिए खूब मेहनत करना है। मेरी तमन्ना थी कि इसी पैसे से अपने लिए स्कूटी खरीदूँ। बी.ए. तक पढ़ाई की हूं। खैरागढ़ विश्वविद्यालय से लोककला में डिप्लोमा कर रही हूँ। जॉब करके सपना पूरा करना मुश्किल था क्योकिं जो दिखता है वह बिकता है। इसलिए प्रतिदिन खूब मेहनत करती रही हूं। लोक गायिका के साथ मैं एक्ट्रेस भी हूँ। छश्रीसगढ़ी फिल्म तिरीया के चक्कर, बाप बड़े न भैया सबसे बड़ा रूपईया जैसे दर्जनों फिल्मों पर काम किया हूँ। मेरी इच्छा है कि छश्रीसगढ़ की लोक संस्कृति को लेकर बहुत आगे तक जाऊँ। अभी तक 800 से ज्यादा मंचों में प्रस्तुति दे चुकी हूँ। भोरमदेव महोत्सव, मैनपाट महोत्सव, सिरपुर महोत्सव, राज्योत्सव के अलावा पिछले साल राजिम माघी पुन्नी मेला मे प्रस्तुति देना यादगार क्षण रहा। आधे घण्टे में दो घण्टा का कार्यक्रम परोसना था। प्रारम्भ होने में मात्र 20 मिनट शेष था। मंच मे कलाकार बैठने के लिए पहुँच चुके थे। लेकिन संगीत पक्ष के आर्गन प्लेयर नहीं आये थे। समापन दिवस था। गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या मे उपस्थित थे। स्थिति-परिस्थिति को देखकर मैं खूब रोई परन्तु हिम्मत नहीं हारी। अचानक चमत्कार देखने मिला और आर्गन बजाने वाला मिल गया। आधे घण्टे में छश्रीसगढ़ी बारह मासी गीत एवं जन्म से लेकर मृत्यु तक के संस्कारित गीत प्रस्तुति ने खूब वाहवाही लुटी। राजिम महोत्सव में यह मेरा दूसरा कार्यक्रम है। तारा साहू ने आगे बताया कि जीवन में उथल-पुथल लगा रहता है इसका मतलब घबराने कि जरूरत नहीं। सुख और दुख दोनों आते हैं, कर्म करते रहें समय आने पर फल जरूर मिलेगी। क्योंकि कला मरता नहीं बल्कि अमर बना देती है।

जनसंपर्क विभाग के प्रदर्शनी में प्रश्नोत्तरी बनें आकर्षण

शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं की मिल रही जानकारी

राजिम। माघी पुन्नी मेला में शासकीय योजना को प्रदर्शित करते हुए अनेक स्टॉल लगाए गए है। परंतु जनसंपर्क विभाग गरियाबंद की गतिविधियां मेला घुमने आए बच्चों से लेकर बड़ों को अपनी ओर लुभाने का काम कर रही है। हालांकि यह विभाग जनता और शासन के बीच कड़ी का काम करते है। सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान होता है। आज प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सही उत्तर बताने पर उन्हें गिफ्ट हेंपर भी प्रदान किया। राजिम के कक्षा छठवीं की बच्ची मोहनी ने झट से प्रश्न का उत्तर बता दिया और उन्हें उपहार भी मिला, वह बहुत प्रसन्न हो गई। एंकर ने प्रश्न पूछा कि छत्तीसगढ़ देश के कौन से नंबर का राज्य है। उत्तर आयी 26वां नंबर का। दूसरा प्रश्न पूछा गया। त्रिवेणी संगम की रेत पर कौन सा मंदिर है। एक आदमी ने कहा कि राजीव लोचन। गलत उत्तर पर उन्हें कुछ नहीं मिला। गांव से परिचित परमजीत ने बताया कि वह मंदिर कुलेश्वर नाथ महादेव का है। ऐसे ही प्रश्नों का एक अच्छा कौतुक देखने को मिला। वहां मौजूद सुधीर पांडे ने बताया कि प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में मेलार्थी आकर न सिर्फजानकारी ले रहे बल्कि हम उन्हें शासन की योजनाओं की पुस्तिका भी भेंट कर रहे है। जनसंपर्क विभाग के अधिकारी एम.एस. सोरी, सहायक अधिकारी पोषण साहू के मार्गदर्शन में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। पर्यटन विभाग के द्वारा छत्तीसगढ़ के तीर्थ नगरी जिनमें प्रज्ञागिरी ताला, शिवरीनारायण कौशल्या मंदिर, सोनाखान, खैरागढ़ के ब्रोसर रखे गये है जिन्हें लेकर लोग जानकारियां पा रहे है। मंदिरों की इतिहास तथा मिलने वाली सुविधाओं का जिक्र स्पष्ट किया गया है। वहां मौजूद राजेश साहू, तुषार साहू, प्रवीण साहू, मोनू साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के द्वारा राम वनगमन पथ के अंतर्गत प्रदेश के 9 स्थानों को पहले चरण में विकसित किया जा रहा है। वहां रामचंद्रजी की पड़े चरण की पोस्टर भी लगाए गए है।

जूना अखाड़ा ने लोमषऋषि आश्रम में किया धर्म ध्वज खड़ा

राजिम। माघी पुन्नी मेला शुरू होने के चैथे दिन लोमश ऋषि आश्रम में श्रीपंचदसनाम जूना अखाड़ा के साधुओं द्वारा सनातन धर्म के परिचायक धर्मध्वज खड़ा किया गया। गौरतलब हो कि सन् 2006 से लगातार धर्मध्वज के प्रति श्रद्धा समर्पित करते हुए नागा साधु हर वर्ष ध्वज फहराते है। इस बार प्रमुख रूप से उपस्थित जनकपुरी के अध्यक्ष श्री दिगम्बर जनकपुरी, श्री महंत उमेशानंद गिरी, महंत संतोष गिरी, महंत गोकुल गिरी, थानापति महंत कमलेशानंद सरस्वती, महंत बिसंबर भारती, महंत रवि गिरी, महंत चंदन भारती, महंत अशोक गिरी आदि साधुओं के उपस्थिति में पहले खम्भे के शिख पर मयूरपंख बांधा गया। झंड़े पर स्वास्तिक, ओम, चन्द्र, सूर्य के चित्र उकेरे गये। हर-हर महादेव का जयघोष होता रहा। इस मौके पर महंत उमेशागिरी ने बताया कि आज से साधु संतो का मेला प्रारम्भ हो गया है। पूजापाठ, भजन किर्तन प्रारम्भ हो जायेगा। पेसवाई निकाली जायेगी तथा पर्व पर पुण्य स्नान किया जायेगा। ध्वज खड़ा करने के बाद मंत्रोचार के साथ पूजा-अर्चना किया गया। इस अवसर पर धमतरी जिला के अधिकारियों के अलावा राजिम तहसीलदार पेखन टांडरे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

सुआ नृत्य से बिखरी पुन्नी मेला कि छटा

राजिम। माघी पुन्नी मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृखला में नदी मंच क्रमांक 2 पर सुआ नृत्य, कमार नृत्य, राउत नाचा, पंडवानी, सतनाम मंगल भजन तथा रामायण की शानदार प्रस्तुति हुई। जिसे देखने के लिए सुबह 11 बजे से दर्शक शाम 5 बजे तक बैठे रहे। घुटकू नवापारा के द्रोपति नेताम ने संजीवनी माँ महिला मानस मण्डली ने रामकथा की अमृत रूपी गंगा बहा दी। मंदिर हसौद नवागांव के अमरसिंग भारती ने सतनाम मंगल भजन प्रस्तुत किया। कोसमबुड़ा गरियाबंद के निर्मलसिंग ने कमार आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति दी। शानदार वेशभूषा के साथ जैसे ही मंच पर सारे कलाकार उपस्थित हुए तालियों की जोरदार गडगडाहट हुई। शुक्लाभाटा धमतरी के जय गुरूदेव मण्डली के पंडवानी गायिका गंगाबाई मानिकपुरी ने कापालिक शैली पर कथा की प्रस्तुति दी। चम्पारण रायपुर के पुनाबाई ध्रुव ने अपने टीम के साथ सुआ नृत्य किया। तरिहरि नाना सुआ मोर..... से पुरा मंच दमक उठा। सेम्हरा रायपुर के चन्द्रहास साहू के राउत नाचा की प्रस्तुति देकर समा बाँध दिया। कलाकरों का सम्मान स्थानीय जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र पंत, मनोज सेन, किशोर निर्मलकर द्वारा किया गया।

जिला स्तरीय रामायण प्रतियोगिताः राममय हुआ धर्म नगरी राजिम

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय रामायण प्रतियोगिता का आयोजन जिला प्रशासन गरियाबंद के तत्वावधान में राजिम माघी पुन्नी मेला के चैथे दिन आयोजित किया गया। जिसमें पांचों विकासखण्ड के एक-एक विजेता मंडलियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना कर किया गया। प्रत्येक प्रतिभागियों को 45 मिनट का समय और 100 अंक दिया गया। जिसमें व्याख्या, संगीत के लिए क्रमशः 40:40 अंक और वेशभूषा के लिए 20 अंक के मापदंड अनुसार विजेता निर्धारित किया गया।

निर्णायक के रूप में सुरेश कुमार ध्रुव, द्वारिका नाथ, विनोद कुमार देवांगन, कृष्ण कुमार सोनी थे। कार्यक्रम का संचालन मुन्नालाल देवदास ने किया। प्रतियोगिता में कुल 5 मंडलियों ने प्रस्तुति दी। जानकारी के अनुसार 16, 17 व 18 फरवरी को इस मंच पर प्रदेश स्तरीय रामायण प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

इस अवसर पर प्रथम प्रस्तुति देते हुए जय शिव शंकर मानस परिवार हरदीभांठा मैंनपुर के व्याख्याकार श्री पटेल ने अपने व्याख्यान में कहा कि जब भगवान राम माता सीता सहित अत्रिमुनि के आश्रम पहुचे तब मुनि प्रशन्न हो गए और माता अनुसुइया ने सीता माता को नारी धर्म की सीख देते हुए कहा कि नारी की महिमा महान है। नारी के कई रूप होती है वो माँ, बहन बेटी होती। शक्ति का दूसरा नाम ही नारी है। माता-पिता, भाई बन्धु रिश्तेदार सभी साथ तो देते है लेकिन एक सीमा तक ही, विश्वास केवल परमात्मा पर ही करना है। पति-पत्नी एक दूसरे के पूरक हैं, अपने पति का मन वचन धर्म के रूप में सेवा करनी चाहिए। दूसरी प्रस्तुति के रूप में प्रज्ञा मानस परिवार सोरिद खुर्द छुरा के व्याख्या कार खुमान ध्रुव ने बालकांड की कथा सुनाते हुए अहिल्या उद्धार कथा प्रसंग सुनाया। कहा कि भगवान राम ने गौतम ऋषि के श्राप से पत्थर बनी अहिल्या का उद्धार किया भगवान राम दया कृपा के सागर है।

तीसरी प्रस्तुति के रूप में मां कात्यायनी महिला मानस परिवार श्यामनगर के व्याख्या कार अन्नपूर्णा साहू ने किष्किंधा कांड पर व्याख्या देते हुए कहा कि किष्किंधा कांड यानी मन चित बुद्धि अहंकार की गुफा है जिसका वर्णन विस्तार से करते हुए कहा कि आज के समय में कौन दास बनना चाहता है, हर कोई स्वामी ही बनना चाहता है। पवन पुत्र हनुमान ने बड़े-बड़े काम करने के बाद भी अपने आप को कभी स्वामी नहीं माना बल्कि राम का दास ही कहा। चैथे प्रस्तुति युवा मित्र मंडली धौराकोट देवभोग के व्याख्याकार आदित्य नारायण सतपथी ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की आखिरी और पांचवी प्रस्तुति माधुरी महिला मानस मंडली नहरगांव के व्याख्याकार पुष्पांजलि सिन्हा ने रोचक अंदाज में राम कथा सुनाई, सुमधुर संगीतमय प्रस्तुति से धर्म नगरी राजिम गुंजायमान हो रहा था। इस अवसर पर, मम राजीव लोचन जिला मानस परिवार के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम चंद्राकर, आदिवासी आयुक्त बी.के सुखदेवे, नूतन साहू, राजकुमार यादव आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पहुंचे जिला पंचायत सदस्य रोहित साहू ने कहा कि आज पूरा छत्तीसगढ़ राममय हो गया है, हमारे हर गांव गांव में रामायण प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है कहा कि प्रभु श्री राम के बताए मार्ग दर्शन में हम सबको चलना है साथ मे राजिम भक्तिन माता मंदिर समिति अध्यक्ष लाला साहू मौजूद। माधुरी महिला मानस मंडली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जिला स्तरीय रामायण प्रतियोगिता में माधुरी महिला मानस मंडली नहर गांव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
K. Satyanarayan
Mo.9300771925, 0788-4030919

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

पिकअप ने रेलवे फाटक तोड़ा चालक गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। एक लापरवाह पिकअप चालक ने रेलवे फाटक को तोड़ दिया। आरपीएफ ने आरोपी चालक को गिरफ्तार करते हुए पिकअप को जब्त किया है। यह मामला खरसिया का है।

आरपीएफ प्रभारी राजेश वर्मा ने बताया कि खरसिया के नवापारा में रहने वाला 32 वर्षीय गौतम दास महंत पिता समारू दास बुधवार सुबह झाराडीह से पिकअप (क्रमांक-सीजी 13 एल 3985) को लेकर खरसिया जा रहा था। इस दौरान खरसिया समपार में लगभग सवा 10 बजे गेटकीपर राजीव कुमार रेलवे फाटक को बंद कर रहा था, फिर भी गौतम ने जोखिम उठाते हुए अपनी गाड़ी को लापरवाही पूर्वक चलाकर साईड बूम को ठोक दिया।

पिकअप चालक की इस गलती से फाटक के बूम का चारों तरफ क्षतिग्रस्त हो गया। फाटक गेटकीपर ने गौतम की बेजा हरकत की सूचना आरपीएफ रायगढ़ को दी तो हरकत में आए उपनिरीक्षक अखिल सिंह तत्काल खरसिया गए और आरोपी चालक को अपने शिकंजे में कसते हुए उसके पिकअप को भी जब्त किया। यही नहीं आरपीएफ ने गौतम दास महंत के विरुद्ध रेलवे अधिनियम की धारा 160 (2), 174 (3) के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज करते हुए उसे कानूनी दांवपेंच में फंसाया, ताकि वह भविष्य में इस तरह की गलती कर रेलवे की संपत्ति को नुकसान न पहुंचा सके।

बाड़ी में लगाए थे गांजे के पौधे आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। अपने बाड़ी के पीछे चोरी छिपे गांजा का पौधा लगाकर रखने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सूचना पर गोपनियता बरतते हुए चौकी प्रभारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना से अवगत कराकर उनके मार्गदर्शन पर थाना धरमजयगढ़ एवं चौकी रैरूमा के स्टाफ और गवाहों को साथ लेकर जय कुमार चौहान के घर दबिश दिया गया।

जय कुमार चौहान घर पर मौजूद मिला, जिसे कार्यवाही की जानकारी देकर उसके मकान और कोला-बाडी की तलाशी ली गई। जय कुमार चौहान के बाडी में एक नग मादक पदार्थ गांजा का पेड मिला जिसे गवाहों के समक्ष कटवा कर मादक पदार्थ गांजा को बरामद किया गया। गांजा का कच्चा पेड वजन 06,480 किलो ग्राम कीमती 12960/रुपये जब्त किया गया है।

आर्मी अफसर के नाम पर कॉल कर डॉक्टर से ठग लिए सवा 2 लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेवई थाना क्षेत्र के एक डॉक्टर से 2.25 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। अज्ञात कॉलर ने खुद को आर्मी अफसर बताते हुए डॉक्टर को स्वास्थ्य शिविर लगाने के नाम 75 हजार रुपए खाते में ट्रांसफर करने की बात कही। डॉक्टर ने खाता चेक किया तो रुपए खाते में क्रेडिट नहीं हुए। इसके बाद कॉल करने पर कथित आर्मी अफसर ने वीडियो कॉल पर पेटीएम अकाउंट दिखाने कहा। यहीं पर डॉक्टर से चूक हो गई और वह झांसे में आकर अपना पेटीएम अकाउंट को वीडियो कॉल के जरिए दिखा दिया। इसके बाद डॉक्टर के खाते से तीन बार कुल 2 लाख 25000 रुपए कट गए। डॉक्टर की शिकायत पर नेवई पुलिस ने अज्ञात कॉलर के खिलाफधारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

नेवई पुलिस ने मिली जानकारी के अनुसार आजाद मार्केट प्रगति नगर रोड निवासी डॉ. आशीष जैन शिशु रोग विशेषज्ञ हैं। 7 फरवरी 2023 को शाम करीब 7.30 बजे डॉक्टर के मोबाइल नंबर 7773010906 में किसी अज्ञात व्यक्ति ने मोबाईल नंबर 9365176026 से फोन किया। कॉलर ने स्वयं को आर्मी अफसर बताया और अपना आर्मी कार्ड, आधार कार्ड वाट्सअप में भेजने की बात कहते हुए डॉक्टर के क्लीनिक में 250 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने की बात कही। इसके लिए कथित आर्मी अफसर ने कहा कि उसने डॉ आशीष जैन के खाते में 75000 रुपए एडवांस राशि भेज रहां हूं। डॉक्टर ने अपने पेटीएम मोबाईल नंबर 9329029194 वाले दूसरे मोबाइल को ओपन कर बैलेस चेक किया तो पैसे नहीं आने की जानकारी कथित आर्मी अफसर को दी। इसके बाद उसने मोबाइल नंबर 9365176026 से विडियों काल किया और डॉक्टर पेटीएम वाले मोबाइल के स्क्रीन को दिखाने कहा। स्क्रीन दिखाने पर कथित आर्मी अफसर के बताए अनुसार डॉक्टर ने क्लिक किया तो उसके बैंक ऑफइंडिया के खाता क्रमांक 930210110006957 से अलग अलग किस्त में तीन बार 75000-75000 रुपए कट गए। इस तरह अज्ञात कॉलर ने स्वास्थ्य परीक्षण के नाम पर डक्टर से कुल 2,25,000 रुपए की ठगी कर ली। अब इस मामले में नेवई पुलिस ने 9365176026 के धारक के खिलाफ धारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।

मजदूरी नहीं देने पर ठेकेदार की हत्या, मजदूर ने रॉड मारकर ले ली जान, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में मजदूरी नहीं देने पर ठेकेदार की हत्या का मामला सामने आया है। यहां के टिकरापारा क्षेत्र में यह सनसनीखेज घटना घटी है। मजदूर ने अपने ठेकेदार को रॉड से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र लातूर निवासी रमेश मुर्मे उर्फ बालाजी ठेकेदारी का काम करता है। बताया जा रहा है कि ठेकेदार ने अपने मजदूरों को भुगतान नहीं किया और पैसा मांगने से टाल मटोल करता था। बुधवार को देर

शाम काम खत्म होने पर बलौदाबाजार निवासी रोमन लाल कन्नौजे व तीन अन्य मजदूरों ने ठेकेदार रमेश मुर्मे को रोका और अपना भुगतान मांगा। तक ठेकेदार ने पेमेंट क्लीयर नहीं होने की बात कहकर दो तीन दिन में देने की बात कही।

इसके बाद मजदूर ठेकेदार से विवाद करने लगे। विवाद बढ़गया और गुस्से में आकर रोमन कन्नौजे ने पास में रखे रॉड से ठेकेदार पर हमला कर दिया। वार इतना जोरदार था कि ठेकेदार वहीं पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। इससे पहले की उसे अस्पताल पहुंचाते उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर टिकरापारा पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी मजदूरा रोमन लाल कन्नौजे को गिरफ्तार कर लिया। टिकरापारा थाना प्रभारी अमित बेरिया ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में मजदूरी के पैसों को लेकर विवाद की बात सामने आई है जिसके कारण मजदूर ने ठेकेदार पर जानलेवा हमला किया जिससे उसकी मौत हो गई।

कुरकुरे लेने निकले छात्र की पेड़ में लटकी मिली लाश

रायगढ़ (ए)। घर से कुरकुरे खाने निकले कक्षा सातवीं के एक नाबालिग छात्र की नीम पेड़ में साड़ी के फंदे पर संदिग्ध हालत में लटकती लाश मिलने का मामला प्रकाश में आया है। यह दुखद प्रसंग पुसौर थाना क्षेत्र का है। वारदात का सच जानने शव का पुलिस पोस्टमार्टम कराएगी।

इस संबंध में थाना प्रभारी नारायण सिंह मरकाम ने बताया कि पुसौर से तकरीबन 25 किलोमीटर दूर ग्राम पुटकापुरी में बुधवार शाम लगभग 4 बजे उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के बाहर खेत खार स्थित नीम पेड़ में साड़ी के टुकड़े से बंधे फंदे पर एक बालक की संदिग्ध परिस्थितियों में झूलती लाश मिली। मृतदेह को देखने भीड़ लगी तो उसकी शिनाख्त गांव के ही रामचरण सिदार के 14 वर्षीय पुत्र नवीन के रूप में हुई। ऐसे में मृतक बालक के परिजनों ने मौके की नजाकत को भांप इसकी सूचना पुसौर थाने में दी। वहीं, उपनिरीक्षक हेमसागर पटेल ने घटना स्थल का जायजा लेते हुए शव को नीचे उतरवाते हुए उसे नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाया ताकि पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा सके। चूंकि बालक की लाश को पेड़ पर लटकते देख ग्रामीणों को आशंका हुई कि नवीन की जघन्य हत्याकर शव को फांसी पर चढ़ा दिया गया, ताकि मुल्जिमों का गुनाह छिप सके इसलिए वर्दीधारियों ने मौके का बारीकी से अवलोकन भी किया।

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में यह जानकारी सामने आई कि मजदूरी करने वाले रामचरण का बेटा नवीन सिदार कक्षा सातवीं में पढ़ता था। बुधवार दोपहर लगभग ढाई बजे वह घर से यह कहते हुए निकला कि वह कुरकुरे लेने दुकान जा रहा है मगर घंटेभर बाद भी वह वापस नहीं लौटा। फिक्रमंद सिदार परिवार नवीन को बस्ती से खोजते हुए खेत खार में पहुंचे तो वह मृत मिला। नाबालिग छात्र ने खुदकुशी की या फिर वह किसी अनहोनी का शिकार हुआ, इसकी असलियत जानने के लिए पुसौर पुलिस मर्ग कायम करते हुए पीएम कराएगी।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा सूचना

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु नीचे उल्लेखित कार्य के लिये छत्तीसगढ़के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था में श्रेणी-डी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है.

कार्य का विवरण :- बेमेतरा जिले के विकासखण्ड बेमेतरा, नवागढ़ एवं साजा के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल ग्राम नलजल योजनाओं के अंतर्गत UPVC pipe 6kg/10kg पाईप लाईन जोड़ने, स्वीच रूम, उच्चस्तरीय जलागार निर्माण, बाउण्ड्रीवॉल, क्लोरीनेटर सिस्टम, क्लोरीनेटर रूम, इलेक्ट्रीसिटी कनेक्शन, सबमर्सिबल पंप, घरेलू नल कनेक्शन इत्यादि दिये गये शेड्यूल के अनुसार.

स. क्र.	सिस्टम नम्बर	निविदा सू.क्र.	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत
1	123288	281	बहरबोड़ एकल ग्राम नलजल योजना	74.65
2	123301	282	सेन्द्री एकल ग्राम नलजल योजना	51.66
3	123302	283	धनेली एकल ग्राम नलजल योजना	75.18
4	123303	284	पण्डरभट्ठा एकल ग्राम नलजल योजना	102.45
5	123305	285	जंगलपुर एकल ग्राम नलजल योजना	82.76
6	123306	286	बैजी (एन) एकल ग्राम नलजल योजना	62.43
7	123308	287	करही एकल ग्राम नलजल योजना	92.34
8	123309	288	बंधी एकल ग्राम नलजल योजना	95.63
9	123310	289	नरी एकल ग्राम नलजल योजना	139.24
10	123311	290	राखी एकल ग्राम (कुम्हीगुड़ समूह) नलजल योजना	130.29
11	123312	291	अकोला एकल ग्राम नलजल योजना	94.35
12	123313	292	मटिया एकल ग्राम नलजल योजना	85.62
13	123314	293	तेन्दुभाठा एकल ग्राम (खम्हरिया समूह) नलजल योजना	55.92
14	123316	294	कोहकाबोड़ एकल ग्राम (कुम्हीगुड़ समूह) नलजल योजना	50.16
15	123317	295	जामगांव एकल ग्राम (कुम्हीगुड़ समूह) नलजल योजना	59.96
16	123318	296	सौंवरी (खम्हरिया समूह) एकल ग्राम नलजल योजना	60.77
17	123319	297	बागडुमर (कुम्हीगुड़ा समूह) नलजल योजना	33.42
18	123321	298	तुमड़ीपार (कुम्हीगुड़ा समूह) नलजल योजना	48.70
19	123322	299	सुखाताल एकल ग्राम नलजल योजना	73.43
20	123323	300	नवलपुर एकल ग्राम नलजल योजना	61.39
21	123324	301	खपरी (जी) एकल ग्राम नलजल योजना	64.99
22	123325	302	मनोधरपुर एकल ग्राम नलजल योजना	64.06
23	123327	303	सोनपुरी एकल ग्राम नलजल योजना	66.32
24	123328	304	बुंदेला एकल ग्राम नलजल योजना	67.38
25	123348	305	बुंदेली एकल ग्राम नलजल योजना	69.25
26	123350	306	सिवनी एकल ग्राम नलजल योजना	86.47
27	123351	307	भोपसरा एकल ग्राम नलजल योजना	114.18
28	123431	308	भालुपान एकल ग्राम नलजल योजना	62.15
29	123432	309	बोईरकचरा एकल ग्राम नलजल योजना	70.25
30	123433	310	कुरूवा (अमलडीहा समूह) एकल ग्राम नलजल योजना	60.39
31	123435	311	नवागांव (अमलडीहा समूह) एकल ग्राम नलजल योजना	60.24
32	123436	312	बिनैका एकल ग्राम नलजल योजना	103.56

1. बिड प्रारंभ की तिथि - 10.02.2023
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 24.02.2023

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 10.02.2023 से देखे जा सकते है.

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बेमेतरा (छ.ग.)

जी-98339-6

रानीखेत बीमारी की वजह से मर गई 3700 मुर्गियां, रायपुर लैब की रिपोर्ट से खुलासा

बेहतर रिजल्ट के लिए पुणे भेजे गए सैंपल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद जिले के दल्ली राजहरा नगर पालिका के तिवारी पोल्ट्री फार्म में एक साथ 3700 मुर्गियों के मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। बालोद पशुपालन विभाग को मुर्गियों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिली है। दरअसल विभाग द्वारा सैंपल रायपुर भेजा गया था जहां से रिपोर्ट आई है। बर्ड फ्लू जैसी कोई बीमारी नहीं है। मुर्गियों की मौत 'रानीखेत' बीमारी से हुई है। यह मुर्गियों में पाई जाने वाली एक बीमारी है। पशुपालन विभाग ने उपसंचालक ने बताया कि यहां जो रोग पाया गया है, उसे वैज्ञानिक भाषा में Newcastle disease कहा जाता है। अलग-अलग देशों में इसका अलग-अलग नाम है। अभी और बेहतर रिपोर्ट के लिए सैंपल पुणे महाराष्ट्र भी भेजा गया है।

पुणे भी भेजा सैंपल

फिलहाल यहां पर रानीखेत बीमारी होने की बात प्रथम दृष्टया सामने आई है और मोक्युकूलर रिपोर्ट के लिए पुणे महाराष्ट्र भी सैंपल भेजा गया है वास्तिव रिपोर्ट वहीं से आने के बाद ही पता लग पाएगा लेकिन बालोद के

लिए राहत की बात है कि वहां फिलहाल बर्ड फ्लू जैसी बात सामने नहीं आई है।

विषाणुजन रोग

डॉक्टर सिहारे ने बताया कि रानीखेत रोग (Virulent Newcastle disease (VN) एक विषाणुजन्य रोग है, जो घरेलू पक्षियों (जैसे मुर्गी) और अनेकों जंगली पक्षी प्रजातियों को प्रभावित करती है। दो तीन दिन में ही पक्षी बहुत कमजोर हो जाते हैं इसमें मृत्यु दर भी ज्यादा होती है। शायद यही कारण है कि एक साथ इतने पक्षियों की मृत्यु हुई है। यह रोग सूक्ष्म रोगाणु द्वारा बहुत तेजी से फैलता है। संक्रमण का नियंत्रण और उपचार समय रहते न होने से रोग महामारी की तरह फैल जाता है। इससे मुर्गी पालकों को अपार क्षति होती है।

जानिए एडवाइजरी

पशुपालन विभाग से जो यहां एडवाइजरी मिली है उसको लेकर के अब इसे अमल में लाया जाएगा, लक्षण दिखने वाले मुर्गियों को अलग रखने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं बीमार शेड में जाने वाले कर्मचारियों को स्वास्थ्य शेड में नहीं जाना है। इसके साथ ही यहां पर पानी निकासी की व्यवस्था और साफ-सफाई रखने की बात कही गई है। वहीं जिस पोल्ट्री फार्म में यह घटना घटी है वहां पर संभाग स्तरीय रैपिड रिस्पॉन्स टीम काम करेगी।

पेट्रोल पंप पर धमकाने और पथराव करने वाले चार आरोपी नकली बंदूक के साथ दो घंटे में गिरफ्तार

बिलासपुर। जिलें के तखतपुर के जुनापारा चौकी के ग्राम भौरापछार में गोपाल फ्यूल के गिरधर गोपाल ने चौकी आकर बताया कि रात में उसके पेट्रोल पंप पर पेट्रोल न देने पर चार युवकों ने पत्थर मारा और हथियार दिखाया। शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के निर्देश पर थाना प्रभारी एसआर साहू ने तत्काल पुलिस ने पहचान कर दो घंटे में ही पांच में से चार आरोपियों को आवाजी एयरगन (नकली बंदूक) के साथ पकड़ा गया है। उनके खिलाफ386 आईपीसी (भयादोहन) और आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है। इनमे से एक आरोपी नाबालिक है। एक आरोपी लंगडा कर चलता है। एक अन्य फरार आरोपी मनीष नवरंग के लिए टीम भेजी गई है।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार

गौरव मिश्रा पिता राजीव मिश्रा उम्र 18 वर्ष साकिन भीमपुरी चौकी जूनापरा थाना तखतपुर, दीपक मिश्रा पिता सुरेश मिश्रा उम्र 22 वर्ष साकिन भीमपुरी चौकी जूनापारा थाना तखतपुर, अमित नवरंग पिता लक्ष्मण नवरंग उम्र 22 वर्ष साकिन भीमपुरी चौकी जूनापारा थाना तखतपुर, नाबालिग उम्र 16 वर्ष साकिन भीमपुरी चौकी जूनापारा थाना तखतपुर गिरफ्तार हुए।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

भारती विश्वविद्यालय ने किया गोद ग्रामों में योग शिविर एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

दुर्ग। भारती विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा आदिवासी बाहुल्य गोद ग्रामों में योग शिविर एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुए, गोद ग्राम अम्लीडीह के शासकीय माध्यमिक विद्यालय तथा गोद ग्राम देवारभाट शासकीय हाई स्कूल में विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री पोषण लाल साहू द्वारा निशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर में विद्यार्थियों को कपाल भाती क्रिया, अनुलोम विलोम प्राणायाम, भस्त्रिका प्राणायाम, ताड़ासन, पश्चिमतो आसन, त्रिकोण आसान, सूर्य नमस्कार आदि में प्रशिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम खेरथाडीह एवं अम्लीडीह के संयुक्त पंचायत भवन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत कटहल, पपीता, जाम, आम इत्यादि उपयोगी फलदार वृक्षों के पौधों का रोपण पंचायत सचिव कोमल सिन्हा आदि के सहयोग से किया गया। उक्त आयोजनों में शासकीय हाई स्कूल देवारभाट की प्राचार्य श्रीमती योगिता योगी, शासकीय माध्यमिक विद्यालय अम्लीडीह के प्रधानाचार्य आर.आर. ठाकुर, खेरथाडीह एवं अमलीडीह की संयुक्त सरपंच चित्ररेखा साहू का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, उक्त गतिविधियों का आयोजन विश्वविद्यालय के गोदग्राम संयोजक डॉ स्नेह कुमार मेश्राम एवं डॉ रोहित कुमार वर्मा द्वारा डॉ गुरुशरण लाल के विशेष सहयोग से किया गया।

6 लाख 72 हजार 634 बच्चे व किशोर 10 फरवरी को होंगे कृमि मुक्त

दुर्ग। जिला दुर्ग में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस जिला कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 फरवरी को एवं मॉप-अप दिनांक 15 फरवरी को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है, जिला स्तर पर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट एवं गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं जिला कलेक्टर के द्वारा दिनांक 10 फरवरी को किया जायेगा एवं ब्लाक स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया जावेगा। जिले में कुल 6 लाख 72 हजार 634 बच्चों को जिले के समस्त आंगनवाडी केन्द्रो, शासकीय विद्यालय, शासकीय अनुदान प्राप्त शालाओं, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय मदरसो, निजी स्कूलो, अनुदान प्राप्त निजी स्कूलो, महाविद्यालयों तकनीकी शिक्षण संस्थानों के माध्यम से 01 से 19 वर्ष तक बच्चों, किशोरो, किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर एनिमिया के रोकथाम बौद्धिक विकास के लिए कृमि नाशक दवा एल्बेन्डाजॉल की गोली 400 एम.जी. खिलाई जायेगा ।

श्रमिकों को मिले शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ- गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक मजदूरों को दिलाने के लिए श्रमिक पंजीयन पर जोर दिया जाना आवश्यक है। श्रम विभाग के अधिकारीयों को जिले में शिविर लगाकर अधिकाधिक श्रमिकों का पंजीयन करने के निर्देश उक्त बातें प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने ग्राम खम्हरिया में श्रम विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में कहा।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम खम्हरिया में पटेल भवन में लोकार्पण 1.50 लाख रूपये की राशि से आहता एवम शौचलय निमार्ण , भूमिपूजन खेल मैदान में 5 लाख की राशि से तार एवं पेंशिंग कार्य , सीसी सड़क राशि 8.80 लाख का भूमिपूजन किया गया इस कार्यक्रम में मुख्याअतिथि प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू , अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष शालनी रिवेंद्र यादव, विशेष अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी महामंत्री जितेन्द्र, कृषिसभा पति योगिता चंद्राकार, जनपद उपाध्यक्ष झमित गायकवाड़, जनपद सदस्य राकेश हिरवानी, सरपंच सुखी राम यादव, रोशन साहू पूर्व सरपंच कोकड़ी, दिनेश पटेल उपस्थित थे। कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहि शालनी रिवेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अगुवाई में समाज के सभी वर्गों के लिए कार्य कर रही है। आज राज्य उन्नाति की ओर अग्रसर हो रहा है और नए मार्ग प्रशस्त हो रहे हैं।

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत ग्राम खम्हरिया में छत्तीसगढ़ भवन एवम अन्य सन्निर्मण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत विभिन्न योजनाओं में चेक वितरण हितग्राहीओ किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत लाभांवित संख्या 407 वितरण राशि 8160000 रूपये। मेधावी छात्र छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत संख्या 95 बच्चो को 568000 रूपये का चेक प्रदान किया गया।

मिनिमता महतारी जतन योजना के अंतर्गत 127 हितग्राहियों को 2,540000 रूपये का चेक प्रदान किया गया। निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 2 लाभार्थी को 100000 रूपये का चेक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना 2 लोगो को 30000 रूपये का चेक प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक ई रिक्शा सहायता योजना के अंतर्गत 400000 रूपये की राशि का चेक प्रदान हितग्राहियों को किया गया। इस अवसर पर उप सरपंच खुमान पटेल, राजीव युवा मितान क्लब अध्यक्ष द्रोपती साहू, बलराम चंद्राकार, शेषणारायण पटेल, लोकनाथ साहू,फुलसिंग साहू, शंकर साहू, निखिल निषाद, हीरालाल साहू, मुन्ना चंद्राकार सहित श्रम विभाग से श्रम निरीक्षक एल आर यदु, श्रद्धा वर्मा, रमन मांडवी, मंजूषा, प्रशांत एवं ग्रामीण जन बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

मरीज 6 साल से कान के पर्दे के छेद से परेशान

जिला अस्पताल के मेडिकल टीम ने आपरेशन कर पहुंचाई राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 36 वर्षीय महिला श्रीमती आशा देवी पिछले 6 वर्ष से कानों की समस्या को लेकर परेशान थी। इसके चलते उसके सुनने की क्षमता में लगातार गिरावट आ रही थी। अपनी इस समस्या को लेकर वह जिला अस्पताल दुर्ग पहुंची जहां जांच उपरांत टाइम्पेनोप्लास्टी नामक बीमारी से उसे ग्रसित पाया गया। इएनटी विशेषज्ञ डॉ. नेहा ने बताया कि इस बीमारी में कान के पर्दे पर होल हो जाता है जो कि अपने आप नहीं भरता है। जब कोई आवाज कान में प्रवेश करती है तो कान के पर्दे से टकराकर कंपन व संकेत उत्पन्न करती है। लेकिन जब कान के पर्दे में किसी कारण छेद हो जाता है तो कंपन या संकेत उत्पन्न नहीं हो पाते। यही कारण है कि श्रीमती आशा देवी के सुनने की क्षमता में कमी आ रही थी। मरीज की समस्या के निदान के लिए जिला चिकित्सालय की डॉ.रेनू तिवारी, सीसीएम

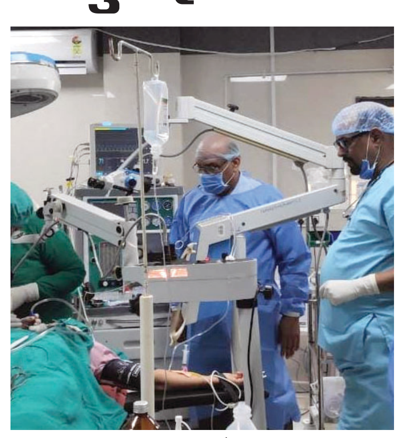

कचांदूर की डॉ. सर्मिष्ठा और डॉ. नेहा द्वारा टीम गठित कर 2016 के लंबे अंतराल के बाद पुनः टाइम्पेनोप्लास्टी का आपरेशन सफलता पूर्वक मेडिकल टीम द्वारा संपादित किया गया। वर्तमान में मरीज पूर्ण रूपेण स्वस्थ है और उसने बताया कि उसकी सूनने की क्षमता में विस्तार हुआ है।

हरियाली से भरे वेंडिंग जोन से व्यवसाय को मिली नई ऊंचाई, लोगों को मिला सुकून भरा माहौल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हम लोग फील्ड जाब वाले हैं पहले नेहरू नगर में चाय पीने ठहरते थे लेकिन ये बड़ी बेतरतीब जगह थी, हमें अपनी बाइक पर बैठकर ही चाय पीनी होती थी। अब यह परिसर इतना सुव्यवस्थित हो गया है कि चाय के साथ नाश्ता भी कर लेते हैं सुकून से अपना थोड़ा समय गुजारने के लिए यह जगह बहुत अच्छी है। नेहरू नगर वेंडिंग जोन में टी सेंटर में आये ग्राहक सुनील देवांगन ने यह बात कही। नेहरू नगर में अव्यस्थित गुमटियों की जगह व्यवस्थित वेंडिंग जोन बन गया है। यहाँ पेवर ब्लाक लगा दिये गये हैं। बैठने के लिए बेंच की व्यवस्था है। पूरा परिसर हरियाली से भरा है। पार्किंग के लिए पर्याप्त स्पेस है। ऐसे

सुव्यवस्थित परिसर के होने से बिजनेस अब बढ़ रहा है।

यहां चाय नाश्ते के दुकान का संचालन कर रहे सोनी ने बताया कि नाश्ते की दुकान बिल्कुल सड़क से लगी हुई थी, इसलिए ग्राहकों के बैठने के लिए बहुत थोड़ी सी जगह थी, इस वजह से व्यवसाय भी सीमित था, उस पर पार्किंग की दिक्कत थी क्योंकि आसपास अन्य गुमटियों में लोग व्यवसाय चला रहे थे। पार्किंग आदि की दिक्कत की वजह से कम ही ग्राहक आते थे। अब बैठने की बढिया जगह हो गई। जगह हरियाली से भरी है इस वजह से ग्राहक भी आना पसंद करते हैं।

नेहरू नगर वेंडिंग जोन में आपरेट कर रहे एक दुकानदार ने बताया कि यहां मुझे शाप चलाने के लिए निगम से लायसेंस भी दिया जा रहा है। इससे मुझे निश्चिंतता हुई है। मैंने शापिंग कार्ट खरीदा है जिसके लिए एनयूएलएम के माध्यम से ऋण लिया है। व्यवसाय अच्छा चल रहा है क्योंकि जगह बहुत बढिया है। उन्होंने कहा कि निगम प्रशासन द्वारा न केवल सुविधा दी जा रही है अपितु इससे हमें दुकान संचालन की वैधता भी मिल रही है। जगह बहुत अच्छी है। पहले सब कुछ अव्यवस्थित था, अब व्यवस्थित और सुंदर सा है इसलिए हमें भी यहां काम करना अच्छा लग रहा है और ग्राहक भी बहुत खुश हैं।वेंडिंग जोन में सुकून का वातावरण होने से और बैठने की अच्छी व्यवस्था होने से लोग यहां जुट रहे हैं। टी सेंटर के पास गपशप का अच्छा माहौल बन रहा है। यहां आए एक ग्राहक ने बताया कि लोग सिविक सेंटर शाम को इसलिए जाते हैं क्योंकि वहां उन्हें बैठने का सुंदर और व्यवस्थित माहौल मिलता है। अपने घर के पास ऐसी जगह है तो कोई दूर क्यों जाएं।

12 फरवरी को पीएससी की प्रारंभिक परीक्षा

65 परीक्षा केंद्र में 25 हजार 302 प्रतिभागी अजमाएंगे अपनी किस्मत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा दिनाँक 12.02.2023 को प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की जा रही है। इसके लिए जिले में कुल 65 परीक्षा केन्द्र बनाये गए है। जिनमे कुल 25302 प्रतिभागी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

उक्त परीक्षा आगामी 12 फरवरी दिन रविवार को दो सत्रों में सुबह 10.00 बजे से 12.00 बजे तक तथा अपरान्ह 3.00 बजे से 5.00 बजे तक आयोजित होगी। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के निर्देश पर सारी प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गयी है। परीक्षा के संचालन एवं नियंत्रण हेतु डिप्टी कलेक्टर महेश सिंह राजपूत को नोडल अधिकारी एवं होमन लाल भोंसले, व्याख्याता को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। साथ ही परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन हेतु 22 प्रशासनिक अधिकारियों एवं 22 पुलिस अधिकारियों की टीम गठित कर दी गई है।

दिव्यांग अभ्यर्थी सह लेखन हेतु 10 फरवरी तक कर सकते है आवेदन- दिव्यांग परीक्षार्थी जिन्हें सह लेखक की आवश्यकता है वे सह लेखक की अनुमति के लिये जिला कार्यालय के कक्ष क्रमांक 32 में अपना आवेदन निर्धारित प्रारूप में फरवरी 2023 तक कार्यालयीन समय तक जमा कर सकते है।

स्मार्ट कॉलोनी के रूप में विकसित होगा हुडको

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हुडको अब स्मार्ट कॉलोनी के रूप में विकसित होगा। स्मार्ट कॉलोनी के रूप में विकसित करने के लिए हर प्रकार की सुविधाएं यहां मुहैया कराए जाएंगे, हुडको में हेल्थ सेंटर भी खुलेगा। सीवरेज सिस्टम, खेल मैदान विकसित करने, वाटर एटीएम, उद्यानों का सौंदर्यीकरण, सड़क, पानी, बिजली, डोम शेड एवं पेवर ब्लॉक, मांगलिक भवन, मैदानों को विकसित करने जैसे कई कार्य हुडको में होंगे।

इसमें से कई कार्यों की शुरुआत हो भी चुकी है। करोड़ों की लागत से बड़ा मांगलिक भवन बनाने का कार्य भी तेज गति से किया जा रहा है, धूल मुक्त बनाने के लिए

सड़कों के किनारे विभिन्न क्षेत्रों में पेवर ब्लॉक लगाए जा रहे हैं, इसके अलावा कई सारी प्लानिंग हुडको के विकास के लिए तैयार है। सड़कों को सुधारने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है इसी कड़ी में आज एक करोड़ की लागत से होने वाले डामरीकरण कार्य का विधायक देवेंद्र यादव व महापौर नीरज पाल एवं महापौर परिषद के सदस्य, राजस्व प्रभारी सीजू एंथोनी तथा लोक निर्माण प्रभारी एकांश बंछोर ने वार्ड वासियों के साथ मिलकर भूमि पूजन किया तथा आज से डामरीकरण कार्य की शुरुआत कराई। विधायक देवेंद्र यादव ने भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान कहा कि हुडको को स्मार्ट कॉलोनी के रूप में विकसित करने काम प्रारंभ हो चुका है। इसके विकास के लिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर काम किया जा रहा है। महापौर नीरज पाल ने कहा कि हुडको की छोटी-छोटी समस्याएं भी दूर हुई है, ऊर्जावान विधायक देवेंद्र यादव के नेतृत्व में हुडको में अनेकों कार्य हो रहे हैं, उन्होंने कहा कि श्री राम चौक का भी कायाकल्प किया जाएगा तथा इसे अत्यधिक आकर्षित बनाने की दिशा में काम किया जाएगा।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने दिये निर्देश

दुर्घटना में घायल पशुओं के इलाज के लिए जारी होगा हेल्पलाइन नंबर, सूचना मिलते ही पहुंचेंगे चिकित्सक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुघर्टनाग्रस्त मवेशियों के इलाज के लिए पशुधन विकास विभाग हेल्पलाइन नंबर जारी करेगा। इसके माध्यम से मवेशियों के त्वरित इलाज के लिए मदद ली जा सकेगी। फोन से सूचना मिलते ही पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू का प्रयास करेंगे। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने आज समीक्षा बैठक में यह बात कही।

उन्होंने कृषि और संबंधित विभाग की योजनाओं पर हुई प्रगति के संबंध में विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर मीणा ने बैठक में गौठानों में उच्च नस्ल के गायों के पाले जाने की प्रगति की समीक्षा भी की। अधिकारियों ने बताया कि जिन गौठानों में अब तक उच्च नस्ल की गाय वितरित की गई हैं वहां दूध व्यवसाय से समूह की महिलाएं अच्छी खासी आय अर्जित कर पा रही हैं।

तिलहन के क्षेत्राच्छादन में 36 प्रतिशत की वृद्धि

कलेक्टर ने रबी वर्ष में क्षेत्राच्छादन की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि तिलहन फसल के क्षेत्राच्छादन में 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दलहन फसल के क्षेत्राच्छादन में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कलेक्टर ने कहा कि इन फसलों के क्षेत्राच्छादन का अनुपात और बढ़ाना है। अधिकारियों ने बताया कि खरीफ मौसम की अतिरिक्त नमी के सदुपयोग व आय में वृद्धि के उद्देश्य से 12 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में दलहन-तिसहन का क्षेत्राच्छादन किया गया। उन्होंने फसल बीमा योजना के संबंध में भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 146 कृषकों का दावा भुगतान नहीं होने की शिकायत मिली थी। उनके दस्तावेजों को कंपनी को प्रेषित कर सभी किसानों का शतप्रतिशत भुगतान कर दिया गया। खरीफ वर्ष 2022 में बीमित राशि 512 करोड़ रही। रबी वर्ष 2023 में बीमित राशि से 143 करोड़ रुपए रही है। कलेक्टर ने अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत हो रही गतिविधि की जानकारी भी ली। अधिकारियों ने बताया कि पूरे जिले में 470 हेक्टेयर रकबे में रागी फसल हो रही है।

अमरूद, पपीता और केले की 20 एकड़ क्षेत्र में होगी खेती

कलेक्टर ने हार्टिकल्चर विभाग को अमरूद, पपीते और केले की खेती बड़े पैच में करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इसके लिए 15 से 20 एकड़ क्षेत्र चिन्हांकित करें और समूहों के माध्यम से इसकी खेती करें। बड़े पैमाने पर उत्पादन होने से बाजार तक पहुंच भी आसान होती है और संसाधन एक ही जगह पर आसानी से लगाये जा सकते हैं।

समाज कल्याण विभाग द्वारा अरूण वोरा ने द्विव्यांग को बैटरी चलित ट्रायसायकल सौंपा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। समाज कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा आवेदक नवदीप सोनी पिता मथुरा प्रसाद सोनी को अरूण वोरा, विधायक दुर्ग शहर एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य भंडारण निगम रायपुर, संदीप वोरा, प्रीती मिश्रा, मनीषा अवस्थी एवं सम्मानीय जनप्रतिनिधिगणों के हाथों से मोटराईज्ड ट्रायसायकल (बैटरी चलित) प्रदाय किया गया।

इस अवसर पर उपसंचालक समाज कल्याण कमलेश कुमार पटेल, जन्तराम ठाकुर, अरूण कुमार वर्मा, एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950